आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-363 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 जून 2025 सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

हिंदुस्तान में हिन्दी से भला परहेज क्यों?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

महाराष्ट्र की भाजपा शिवसेना (शिंदे) सरकार की काबीना ने 16 और 17 अप्रैल 2025 को जारी उस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें सूबे में मराठी और अंग्रेजी से साथ हिंदी भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करने का फरमान जारी किया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस ने इसे रद्द करने करते हुए डॉ नरेश जाधव की अध्यक्षता में इस पर पुनर्विचार के लिए एक समिति गठित की है, जो तीन महीने में इसका जवाब देगी। महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले से यह सवाल खड़ा हो गया है कि हिंदी का पठन पाठन हिंदुस्तान में नहीं तो क्या अमेरिका या ब्रिटेन में होगा? जिनकी भाषा अंग्रेजी को देश अपना रहा है, उसमें हिंदी से आखिर परहेज क्यों? हिंदी पढ़ाने से यदि मराठी अस्मिता को चोट पहुंचती है तो अंग्रेजी से क्या यह बच जाएगी? हिंदी के परहेज से ही मराठी संस्कृति भला क्यों प्रभावित होगी?

भारत सरकार ने 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनाते हुए त्रिभाषी फार्मूला लागू किया था। संविधान की 8 वी अनुसूची में जिन भारतीय भाषाओं का समावेश किया गया है, उसमें हिंदी सहित 22 भारतीय भाषाएं शामिल हैं। भारतीय संघ ने राजभाषा में इसे राजभाषा का दर्जा दिया है और कई हिंदी भाषी राज्य इसे अपना रहे हैं। यह जानकर हैरत होगी कि कन्नड़ भाषी कर्नाटक ने हिंदी को सबसे पहले अपनाया। दक्षिण भारत के तेलंगाना में भी इसे अपनाया जा रहा है। हालांकि फणनवीस ने यह भी साफ किया है कि यदि किसी कक्षा में कम से कम 20 बच्चे हिंदी पढने की इच्छा जताएंगे तो उसके लिए हिंदी शिक्षक की व्यवस्था की जाएगी। फणनवीस ने हिंदी पढ़ाई की अनिवार्यता को शिवसेना के 2006 में अलग हुए धड़े महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और उद्व ठाकरे की शिवसेना की 5जुलाई को मुंबई में महारैली का आव्हान के चलते किया। सबसे चौंकाने वाली बात तो यह है कि उद्धव ठाकरे ने खुद मुख्यमंत्री के बतौर 21 सितंबर 2020 को हिंदी भाषा की पढ़ाई महाराष्ट्र में मराठी और अंग्रेजी के साथ अनिवार्य करने रघुनाथ माशेलकर की अध्यक्षता में 18 सदस्यीय कमेटी गठित की थी।

माशेलकर समिति ने 14 सितंबर 2021 को यह रपट तैयार की। शिवसेना की सरकार ने इसे मंजूरी जिसमें खुद उद्धव ठाकरे मौजूद थे। शिवसेना सरकार के मंत्री विजय कदम ने समिति की सिफारिश के प्रस्ताव क्रमांक 8.1 में मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पहली कक्षा से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक इसकी सिफारिश की थी।

फणनवीस-शिवसेना शिंदे की सरकार ने उद्धव सरकार की इसी सिफारिश को आधार बनाकर 17 जून को कैबिनेट में इसे मंजूर किया तो बवाल खड़ा हो गया। राज ठाकरे मैदान में उतर आए। महाराष्ट्र के कवि हेमंत दिवाने ने पुरूस्कार लौटा दिया। कुछ मराठी साहित्यिक संस्थाओं ने भी इसका विरोध किया तो उद्धव ठाकरे भी अपने ही फैसले के खिलाफ खड़े हो गए। उनके बड़बोले नेता संजय राऊत ने दो दशक पहले हुए दोनों ठाकरे बंधुओं को एक मंच पर लाकर 5 जुलाई की महारैली का ऐलान कर दिया। इसके पहले दोनों अलग रैली करने वाले थे।

मुझे खुद लगता है कि यदि मेरा जन्म मध्यप्रदेश के बजाए गुजरात, महाराष्ट्र,कर्नाटक या किसी अन्य गैर हिंदी भाषी राज्य में होता तो मुझे एक और राज्य की भाषा सीखने समझने का मौका मिल जाता। लोगों को समझना होगा कि भाषा का अंतत: मकसद अपनी बात को इस तरह प्रकट करना जो आसानी से समझ आए। किलिष्ट हिंदी का कम्युनिकेशन के विद्यार्थी के नाते कतई पक्ष में नहीं जो समझने में अड़चन बैदा करे। विदेशों में अंग्रेजी सहित कई देशों में बोली जाने वाली भाषा को इसीलिए लगातार सरल किया जा रहा है ताकि कम्युनिकेशन का उद्देश्य सार्थक हो। अंग्रेजी डिक्शनरी में तो इसी के चलते न सिर्फ हिंदी बल्कि संस्कृत के शब्दों को शामिल किया है। सरल और समझने वाली हिंदी बोलने वाले इसी के चलते हिंदी के साथ उर्दु के सरल शब्दों के प्रयोग से परहेज नहीं करते। पाकिस्तानी जैसे इस्लामिक देश में उर्दु के साथ हिंदी के शब्दों का जमकर इस्तेमाल होता है। यहां तक कि अफगानिस्तानी भी टूटी फूटी हिंदी में बात कर और समझ लेते हैं। भारत में हिंदी के साथ उर्दु ही नहीं अंग्रजी के समझ में आने वाले शब्दों को खूब प्रयोग होता है जिसे हिंग्लिश के बतौर परिभाषित किया गया है। इसमें हिंदी के खबरिया चैनलों का भी बड़ा रोल है। यह बात तो निर्विवाद रूप से सच है कि इससे देश को पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक लोग हिंदी बोलना सीख गए।

हिंदी को बढ़ाना है तो उसका सरलीकरण बेहद जरूरी

हिंदीभाषी मध्यप्रदेश या उत्तर प्रदेश में तो यह कवायद हो रही है कि मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे गूढ़ विषयों की पढ़ाई अंग्रेजी के बजाए हिंदी में कराने की कवायद चल रही है? फिर हिंदुस्तान में हिंदी को लेकर विवाद क्यों? हां एक बात को बेहद जरूरी है कि जटिल साहित्यक हिंदी और भारत सहित हिंदी भाषी सरकारों के हिंदी भाषा के प्रशासनिक शब्दकोष से जटिल शब्दों से निजात भी जरूरी है। इसके कई शब्द तो कई हिंदी भाषी लोगों और सरकारी अफसरों को भी समझ में नहीं आते। सरकार को विचार करना चाहिए कि साहित्यक भाषा से इतर हिंदी समाचार पत्रों में प्रयुक्त होने वाले शब्दों को अपने राजभाषा को शब्द शामिल करना चाहिए भले ही उसमें जटिल हिंदी शब्द भी रहें पर उसके सरल शब्दों को भी समानार्थी शब्द के बतौर शुमार किया जाए। लेकिन यह हिंदी के राजभाषा अफसरो से नहीं होगा। कहने का मकसद है कि हिंदी को राजभाषा से राष्ट्र की भाषा बनाना है तो उसका सरलीकरण बेहद जरूरी हैं क्योंकि किसी भी भाषा का अंतिम मकसद सही संप्रेषण(कम्युनिकेशन) ही होता है।

अलर्ट मोड पर एयरलाइंस कई उड़ानें लौटीं

नई दिल्ली एजेंसी। टोक्यो के हनेडा एयरपोर्ट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट बीती देर रात कोलकाता डायवर्ट करना पड़ी है। वजह यह कि फ्लाइट के केबिन का तापमान लगातार गर्म बना हुआ था, इसके कारण फ्लाइट का रास्ता बदला गया। एयरलाइन के आधिकारिक बयान के मुताबिक, फ्लाइट की कोलकाता में सुरक्षित लैंडिंग के बाद उसकी जांच की जा रही है। इससे पहले इंडिगो की पुणे से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट को तकनीकी खामी के बाद विजयवाड़ा डायवर्ट किया गया था। नेल्लोर के पास हवा में खराबी का पता चला था। विमान में 159 यात्री थे। इसी तरह कल एअर इंडिया की मुंबई से चेन्नई जा रही फ्लाइट उड़ान भरने के बाद वापस मुंबई लौटाई गई थी क्योंकि केबिन के भीतर से जलने की बदबू आ रही थी।

ट्रंप-नेतन्याहू के खिलाफ ईरान के धर्मगुरु का फतवा

तेहरान। ईरान के सबसे वरिष्ठ शिया धर्मगुरु ग्रैंड अयातुल्ला नासिर मकारिम शिराजी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक धार्मिक फतवा जारी किया है व दोनों को अल्लाह का दुश्मन बताया है। उन्होंने दुनियाभर के मुसलमानों से कहा है कि वे एकजुट होकर इन नेताओं को ईरान पर हमले के लिए पछताने के लिए मजबूर करें। शिराजी ने फतवे में कहा-जो कोई भी ईरान के सर्वोच्च नेता को नुकसान पहुंचाने या धमकाने की कोशिश करता है, वह मोहरिब यानी जंग को पसंद करने वाला अपराधी होगा।

सरकार के सलाहकार को एयरपोर्ट पर राइफल मैग्जीन समेत पकड़ा

ढाका एजेंसी। बांग्लादेश के ढाका एयरपोर्ट पर अंतरिम सरकार के एडवाइजर आसिफ महमूद साजिब भुइयां के बैग से एके-47 राइफल की मैगजीन मिली है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जांच के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। महमूद राजनयिक पासपोर्ट पर इस्लामिक देशों के संगठन की बैठक में भाग लेने के लिए मोरक्को के माराकेश जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिफ महमूद ढाका एयरपोर्ट पर आइडेंटिफिकेशन और सिक्योरिटी चेक के लिए बोर्डिंग ब्रिज पर थे तभी स्कैनिंग के दौरान उनके कैरी-ऑन हैंड बैगेज में मेटल का सामान डिटेक्ट हुआ। खुद महमूद ने अब फेसबुक पोस्ट में सफाई दी व कहा, मेरे पास व्यक्तिगत और पारिवारिक सुरक्षा के लिए लाइसेंसी बंदूक है।

...इसलिए सेना ने लड़ाकू विमान खोए : दावा

जर्काता,एजेंसी। इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास के सैन्य अफसर कैप्टन शिव कुमार के एक बयान पर विवाद पैदा हो गया है। उन्होंने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना को पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले की अनुमति नहीं थी। उसे सिर्फ आतंकी ढांचे को निशाना बनाने के निर्देश थे, इस वजह से भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खो दिए।' कैप्टन शिव एक यूनिवर्सिटी में 'भारत-पाक वायु युद्ध और इंडोनेशिया की सामरिक रणनीति' विषय पर सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने प्रेजेंटेशन में कहा नुकसान के बाद भारत ने रणनीति बदली और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। सबसे पहले दुश्मन का एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट किया। पहले सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भी कुछ विमान खोने की बात स्वीकार की थी। ताजा मामले में भारतीय दूतावास ने कहा- 'डिफेंस अटैची का बयान संदर्भ से हटाकर बताया जा रहा है।

बारिश के पानी को सहेजने वाले अभियान का सीएम की मौजूदगी में समापन

जल गंगा संवर्धन : खंडवा, बालाघाट रायसेन अव्वल, हासिल किया ए ग्रेड

भोपाल/खंडवा दोपहर मेट्रो।

तीस मार्च से जारी करीब 90 दिनों के पानी सहेजने वाले महत्वाकांक्षी अभियान का आज मुख्मयंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में खंडवा में समापन हो रहा है। इस मौके पर वाटरशेड सम्मेलन भी हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उक्त कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करेंगे। खास बात यह कि अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में खंडवा, बालाघाट व रायसेन ने बाजी मारी ली है। इन जिलों ने ए ग्रेड हासिल किया। अभियान का लक्ष्य बारिश की सभी बूंदें सहेजने के लिए नई जल संरचनाओं का निर्माण और पुरानी को संरक्षित करना था। इस काम में उज्जैन व छिंदवाड़ा समेत 33 जिलों ने रैंकिंग में बी ग्रेड हासिल किया और इंदौर समेत 16 जिले सबसे पिछड़े और सी ग्रेड में जगह हासिल कर सके।

फाइल फोटो

अभियान के तहत हुए ये काम

- **पुराने काम-** 70000 कामों को पूरा करना था, 20995 कामों को पूरा किया।
- **खेत तालाबा-** 77940 बनाने थे, 84930 का काम शुरू किया, इनमें से 80 फीसद का काम पूरा, 1924 करोड़ रुपए खर्च किए।
- **डगवेल रिचार्ज-** 103900 बनाने थे, 104294 का काम शुरू किया, 90 फीसद काम पूरा, 262 करोड़ रुपए खर्च
- **अमृत सरोवर-** 922 बनाने थे, 1283 का काम शुरू किया, 85 फीसद का काम पूरा।

दादा धूनीवाले मंदिर का नवनिर्माण

खंडवा में आज दादा धूनीवाले मंदिर के नवनिर्माण की नींव रखी गई। भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित कई बड़े संत शामिल हैं। कई मंत्री और संत खंडवा में है। मुख्यमंत्री खंडवा में सीधे मंदिर पहुंचकर भूमिपूजन स्थल पर पहुंचे व धर्मसभा में शामिल हुए। मंदिर निर्माण का भूमिपूजन कन्याओं ने किया। दरअसल अभी वर्तमान मंदिर का ढ़ांचा सीमेंट-कांक्रीट का है, जिसके निर्माण को 50 वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं। कुछ साल पहले मंदिर ट्रस्ट ने लाल पत्थर से निर्माण की शुरुआत कर दी थी। बाद में कुछ व्यवधान के बाद अब मंदिर का निर्माण ट्रस्ट की बजाय प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक लोगों की समिति कर रही हैं।

पुरी भगदड़ कांड को लेकर बवाल

पकड़ो नहीं पैर तोड़ो कांग्रेस प्रदर्शन के पहले बोले अफसर!

भुवनेश्वर,एजेंसी

ओडिशा के पुरी में कल भगदड़ व मौतों के विरोध में आज भुवनेश्वर में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान एडिशनल पुलिस कमिश्नर नरसिंह भोल बैरिकेडिंग के पास तैनात पुलिसवालों को यह निर्देश देते नजर आए कि 'प्रदर्शनकारियों के पैर तोड़ने हैं, उन्हें पकड़ना नहीं है। जो भी पैर तोड़ेगा वो मुझ से इनाम लेकर जाना।'

दरअसल, सुबह कांग्रेस और कई विपक्षी पार्टियां भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री के घर के सामने प्रदर्शन करने की तैयारी में थीं। इसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की गई। पुलिस ने बैरीकेड लगाए ताकि प्रदर्शनकारियों को रोकें। इसी दौरान एडिशनल कमिश्नर की बातें वीडियो में रिकॉर्ड हो गईं। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि भगदड़ की घटना की प्रशासनिक जांच की जिम्मेदारी डेवलपमेंट कमिश्नर अनु गर्ग को सौंपी गई है, जो मुख्यमंत्री को 30 दिनों के अंदर रिपोर्ट सौंपेंगी।

उल्लेखनीय है कि जगन्नाथ रथयात्रा के बाद कल तड़के भगदड़ में तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 50 घायल है,इनमें 6 की हालत गंभीर है। हालांकि सीएम मोहनचरण माझी ने घटना पर माफी मांगी है। उन्होंने ङ्क पर लिखा, 'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।' सरकार ने पुरी कलेक्टर और एसपी का भी तबादला कर दिया है।

...इसलिए सेना ने लड़ाकू विमान खोए : दावा

जर्काता,एजेंसी। इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास के सैन्य अफसर कैप्टन शिव कुमार के एक बयान पर विवाद पैदा हो गया है। उन्होंने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना को पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले की अनुमति नहीं थी। उसे सिर्फ आतंकी ढांचे को निशाना बनाने के निर्देश थे, इस वजह से भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खो दिए।' कैप्टन शिव एक यूनिवर्सिटी में 'भारत-पाक वायु युद्ध और इंडोनेशिया की सामरिक रणनीति' विषय पर सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने प्रेजेंटेशन में कहा नुकसान के बाद भारत ने रणनीति बदली और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। सबसे पहले दुश्मन का एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट किया। पहले सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भी कुछ विमान खोने की बात स्वीकार की थी। ताजा मामले में भारतीय दूतावास ने कहा- 'डिफेंस अटैची का बयान संदर्भ से हटाकर बताया जा रहा है।

मप्र में दो दिन मानसून का स्ट्रांग सिस्टम बना

भोपाल। मानसून में तेज बारिश का दौर जारी है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश के अनवरत दौर के बाद अब मौसम विभाग ने 20 जिलों में हैवी रेन यानी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां आज भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है, इस्तनमें ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, रायसेन, राजगढ़, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। यहां 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत बाकी के जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

मेट्रो एंकर मामूली शुरूआत के बाद स्टार्टअप का जलवा, कंपनी अफसर भी मालामाल

12 दिन में बिना टेक्निक कूटे 85000 करोड़ रुपए !

नई दिल्ली, एजेंसी

अक्सर माना जाता है कि वही लोग पैसा कमा पाते हैं जो बाजार की गहरी समझ रखते हैं या किसी टेक्नीक के महारथी होते हैं। लेकिन कभी कोई शख्स बिना तकनीकी ज्ञान के भी 85 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करे तो क्या कहा जाए ! यह करिश्मा कर दिखाया है कोरवेव कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ माइकल इंट्रेटर ने। 56 साल के माइकल की संपत्ति मात्र 12 दिनों में ही दोगुनी हो गई है। यानि उन्होंने बारह दिन में 85 हजार करोड़ से ज्यादा कमा लिये हैं। बताते हैं कि उनकी कभी एक छोटी सी एआई क्लाउड स्टार्टअप कंपनी थी। मार्च में यह कंपनी 40 डॉलर प्रति शेयर पर अमेरिकी शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी। लेकिन अचानक स्टॉक की कीमत बढ़ गई। सिर्फ दो महीनों में इसकी कीमत लगभग तीन गुना हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस उछाल ने न केवल बाजार को आकर्षित किया है, बल्कि इसके शेयरधारकों की किस्मत भी बदल दी है। इसमें माइकल इंट्रेटर भी शामिल है जो पहले हेड फंड मैनेजर थे।

ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, उनकी संपत्ति पिछले 12 दिनों में दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह 5 अरब डॉलर से बढ़कर 10 अरब डॉलर (करीब 85.49 हजार करोड़ रुपये) हो गई है। कंपनी की शुरुआत बाजार में धीमी रही थी। लेकिन इंट्रेटर को विश्वास था कि कोरवेव अच्छा प्रदर्शन करेगी। माइकल ने पहले बताया था, मुझे वास्तव में परवाह नहीं है कि यह आज, कल या उसके बाद कहां है। लेकिन मेरा मानना है कि हमारे पास जो बिजनेस मॉडल है, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन हैं, इसे बनाने और वितरित करने की क्षमता और हमारे सामने जो मांग है, वह समय के साथ हमारे ग्राहकों के लिए बहुत अधिक मूल्य लाएगी। खास बात यह है कि माइकल अकेले ही स्टॉक की सफलता से लाभान्वित नहीं हो रहे हैं। अन्य को-फाउंडर की संपत्ति में भी काफी वृद्धि हुई है। उनके मुख्य रणनीति अधिकारी ब्रायन वेंटुरो की संपत्ति अब 6.4 अरब डॉलर है। वहीं कंपनी के मुख्य विकास अधिकारी ब्रैनिन मैकबी की संपत्ति 4.7 अरब डॉलर है।

शेयर बाजार की सहमी शुरूआत ट्रेडर्स के लिए अलर्ट

मुंबई एजेंसी। इस हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज सेंसेक्स 150 अंक गिरकर 83,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 40 अंक की गिरावट है। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से 15 में गिरावट और 15 में तेजी है। आज का दिन शेयर बाजार के लिए अहम होने वाला है। इधर जानकारों के मुताबिक आज का दिन अहम है और ट्रेडर्स को हाई-अलर्ट पर रहना चाहिए। क्योंकि निफ्टी के उच्च या निचले स्तर से ब्रेकआउट या ब्रेकडाउन बाजार की अगली दिशा तय कर सकता है। ज्ञात हो कि बीते सप्ताह हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेंसेक्स 303 अंक चढ़कर 84,059 के स्तर पर बंद हुआ था और निफ्टी में भी 89 अंक की तेजी रही।

नए पदोन्नति नियम को लेकर सपाक्स संस्था ने खोला मोर्चा

कोर्ट जाने से पहले सांसद-विधायकों से मिलेंगे कर्मचारी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

नए पदोन्नति नियम 2025 को लेकर सपाक्स संस्था ने कोर्ट जाने की चेतावनी दी है। कोर्ट जाने से पहले सांसद—विधायकों से मिलने, उन्हें नए नियमों में शामिल विसंगतियां बताने को लेकर अभियान चलाने की बात भी कही है। ये निर्णय रविवार नार्मदीय भवन में हुए सपाक्स संस्था के राज्य स्तरीय अधिवेशन में लिए लिए। बैठक में सपाक्स संथा के अध्यक्ष डॉ. केएस तोमर, सचिव राजीव खरे, सपाक्स समाज के अध्यक्ष केएल साहू अध्यक्ष, कर्मचारी नेता सुधीर नायक सहित जिलों से आए पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे।

सपाक्स को ये आपत्तियां

- पदोन्नति 2016 से नहीं हुई, तब भी 2025 से दी जा रही है। बीच के नुकसान की भरपाई हो।
- नए नियमों से एसटी, एससी वर्ग के उन कर्मचारियों तथा अधिकारियों को पुन: पदोन्नति दी जा रही है, जिन्हें हाईकोर्ट ने वर्ष 2006 में रिवर्ट करने को कहा था।
- लंबित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा यथा स्थिति के आदेश दिए थे जिसे आधार बनाकर एसटी, एससी वर्ग के कर्मियों को रिवर्ट नहीं किया गया। इसी आधार पर उनकी पदोन्नति भी नहीं हो सकती, लेकिन किए जाने के प्रावधान कर दिए।
- सुप्रीम कोर्ट के अनुसार आरक्षित वर्ग पर लागू होने वाले क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं रखा गया।
- बैकलॉग के रिक्त पदों को भरने के लिए कोई समय सीमा नहीं है जिसकी वजह से अनारक्षित वर्ग का नुकसान होगा।
- अनारक्षित पदों में एसटी, एससी वर्ग के किसी कर्मी की पदोन्नति नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि वह पूर्व में ही आरक्षण का लाभ लेकर पदस्थ है।
- नए नियम लागू करने के पूर्व हाईकोर्ट के निर्णय अनुसार प्रतिनिधित्व निर्धारण के लिए आंकड़ों के संगणन की बाध्यता का पालन नहीं किया।

ये मांगें रखीं

- आरक्षण का आधार जातिगत न होकर आर्थिक हो। ओबीसी की तरह अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी क्रीमी लेयर का प्रावधान हो।
- अनारक्षित वर्ग के रिक्त 2.50 लाख पदों पर भर्ती में प्रतिबंध हटाकर नौजवानों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं।
- अत्याचार निवारण अधिनियम (एट्रोसिटी एक्ट) संशोधित हो। बिना पर्याप्त जांच के किसी पर भी प्रकरण दर्ज न हो।
- सामान्य पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं को भी नौकरी, स्वरोजगार की योजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनुसूचितजाति / जनजाति के समान सुविधाएं दी जाएं।
- संविदा एवं आउटसोर्सिंग पूर्णत: समाप्त कर नियमित नौकरियां दी जाएं। संविदा कर्मियों एवं शिक्षाकर्मियों, अतिथि शिक्षकों को नियमित किया जाए।

बारिश पूर्व इंतजामों की बार बार खुल रही कलई

परेशानी: बस्ती के घरों में घुस रहा बारिश व सीवेज का गंदा पानी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी में इन दिनों बारिश ने जलभराव की समस्या बढा दी है। हालांकि कई बस्तियों में भी सालभर कई तरह की अवव्यस्था रहती है लेकिन बारिश में ढेरों बस्तियों में सीवेज का गंदा पानी और बरसात मिलकर समस्या को दोगुना कर रहे है। बारिश के पुर्व की अनदेखी को लोग भुगत रहे हैं। छोला क्षेत्र स्थित उड़िया बस्ती शंकर नगर में बारिश के मौसम ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। यहां के रहवासी इन दिनों सीवेज के गंदे पानी से जूझ रहे हैं। हर बारिश के बाद गंदा पानी घरों में घुस जाता है, जिससे लोगों का जीवन दूभर हो गया है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, पिछले कई वर्षों से यह हालात बने हुए हैं, लेकिन नगर निगम की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सीवेज लाइन की सफाई नहीं की जाती, न ही ड्रेनेज की कोई समुचित व्यवस्था है। बारिश में जब नालियां ओवरफ्लो होती हैं तो गंदगी सीधे घरों में आ जाती है।

शंकर नगर के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सीवेज और ड्रेनेज की व्यवस्था दुरुस्त की जाए, नियमित सफाई की जाए और क्षेत्रीय समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए। अगर प्रशासन ने जल्द इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

नगर निगम पर लापरवाही का आरोप

रहवासियों का आरोप है कि नगर निगम को कई बार शिकायत की जा चुकी है, अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया, लेकिन सिर्फ आश्वासन देकर बात टाल दी जाती है। हर साल की तरह इस बार भी स्थिति वही बनी हुई है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। गंदे पानी और सीवेज की बदबू से बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रमणों की आशंका से लोग भयभीत हैं। बच्चों का स्कूल जाना भी प्रभावित हो रहा है।

हादसे की वजह बन रहे

जर्जर सरकारी मकानों का कब्जा हटाने व तोड़ने का अभियान शुरू

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पिछले दिनों एक हादसे के बाद ज्यादा सतर्क हुआ प्रशासन अब राजधानी में टीटी नगर स्मार्ट सिटी एरिया के खाली पड़े सरकारी मकानों को खाली कराने के लिए आज से मुहिम चला रहा है। ऐसे मकानों की सख्या करीब तीन हजार बताई जाती है लेकिन बीते कुछ साल में प्रशासन सिर्फ अठारह सौ मकान ही तोड़ सका है। बचे हुए अधिकांश पर %कब्जा' के बाद प्रशासन ने इन मकानों को खाली कराने के लिए अभियान चलाने का फैसला लिया है।

दरअसल कई जर्जर मकानों में अवैध रूप से भी लोग कब्जा जमाए हुए हैं। इससे बारिश में हादसे की संभावना भी बनी हुई है। संपदा संचालनालय की बेदखली अधिकारी प्रीति श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस बल के साथ नगर निगम, स्मार्ट सिटी और पीडब्ल्यूडी का अमला मौके पर पहुंचेगा और इन मकानों को खाली कराया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह

बुधवार को ऐसे ही एक मकान के ढह जाने से यहां अवैध कब्जा करके रह रहे युवक की मौत हो गई थी। स्मार्ट सिटी एबीडी एरिया की 342 एकड़ जमीन को खाली कराने में हुई देरी भी प्रोजेक्ट के पिछड़ने का एक बड़ा कारण है। जमीन खाली नहीं होने से यहां इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट नहीं हो पा रहा है और स्मार्ट सिटी कंपनी के प्लॉट भी तैयार नहीं हो पा रहे हैं।

अवैध गैस रिफिलिंग के अड्डे भी !

भोपाल में ही माता मंदिर के पास जर्जर भवन कई काम धंधे भी हो रहे हैं। यहां तक कि कुछ मकान अवैध रूप से गैस रिफिलिंग के अड्?डे हैं। बीते दिनों जिला आपूर्ति नियंत्रण विभाग की दबिश से यह हकीकत सामने आई। टीम को देख अवैध कारोबार करने वाले भाग निकले। इसके बाद एक कमरे से 2 गैस सिलेंडर और मशीन जब्त की है। दो महीने पहले भी टीम के यहां पहुंचने से पहले आरोपी भाग निकले थे।

वरिष्ठ पत्रकार ओपी वाधवानी के निधन पर शोक व्यक्त

हिरदाराम नगर। वरिष्ठ पत्रकार और प्रेस क्लब संत हिरदाराम नगर के सदस्य ओमप्रकाश वाधवानी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया है। प्रेस क्लब के अध्यक्ष सतीश बत्रा और महासचिव हीरो लालवानी ने उनके निधन पर दुख

जताते हुए कहा कि, हमारे साथी पत्रकार ओमप्रकाश सरल स्वभाव तथा सादा जीवन उच्च विचारधारा के धनी थे। उनके निधन से पत्रकार जगत को काफी क्षति हुई है। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रेस क्लब के दिलीप मंगतानी, महेश दादलानी, नरेश तोलानी, जितेन्द्र मेहरा, रवि नाथानी, नरेश कीर्तनी, हरीश मेघानी, कमलेश वरलानी, रवि आनंद, अजय तिवारी, जगदीश ज्ञानचंदानी, विकास गिदवानी, दिनेश रायचंदानी और कमलेश देवानी सहित कई अन्य सदस्य शामिल थे।

सेवासदन शिविर: सोमवार को मोतियाबिंद के रोगियों की सर्जरी होगी

181 की जांच, 59 मोतियाबिंद के रोगी

दोहपर मेट्रो, हिरदाराम नगर

सेवा सदन नेत्र अस्पताल ने आज राजधानी के बैरसिया रोड पर एक निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण और मोतियाबिंद आपरेशन शिविर लगाया। इस में 181 नेत्र रोगियों के आंखों की जांच की गई। इनमें से 56 रोगियों को मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई, जिन्हे एंबुलेंस से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय अस्पताल लाकर भर्ती किया गया। सोमवार को इन रोगियों के मोतियाबिंद के आपरेशन किये जायेंगे।

शिविर का आयोजन भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से अटलराम सिंधी धर्मशाला में किया गया। पावस कालीन निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजन की श्रृखंला में यह पहला शिविर था। आगामी दो माह में शहर के विभिन्न स्थानों पर अन्य नौ शिविर आयोजित किये जायेंगे। जिन रोगियों को मोतियाबिंद की शिकायत नहीं पाई गई, उन्हें निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई और उनके ब्लड प्रेशर और मधुमेह के

स्तर की जांच की गई। भोपाल उत्सव मेला समिति के पदाधिकारी और सेवा सदन के ट्रस्टीगण द्वारा प्रारंभ में दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सुनील जैनाविन, कमल जैन श्वेता, नारायण सिंह कुशवाह, योगेन्द्र मुखरैया, वीरेन्द्र जैन जी, हीरो ज्ञानचंदानी, जय किशन लालचंदानी, तरूण मूलचंदानी, भगवानदेव ईसरानी, मोहनलाल गंगवानी, मोहन लालवानी, जगदीश सहिता, तुलसी आडवानी, एल.सी. जनियानी, रमेश बिनयानी, हरीश ज्ञानचंदानी, और अमर थावानी भी उपस्थित थे।

वार्ड 5 की ठंडी सड़क पर नाली निर्माण शुरू

हिरदाराम नगर। संतनगर के वार्ड नंबर 5 में स्थित ठंडी सड़क पर जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए नाली निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। इस नाली के बन जाने से सड़क पर जमा होने वाले बारिश के पानी और घरों से निकलने वाले दूषित पानी की उचित निकासी हो सकेगी, जिससे स्थानीय निवासियों को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से निजात मिलेगी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि ठंडी सड़क पर बारिश के दिनों में पानी भर जाने से आवागमन में काफी दिक्कत होती थी। वहीं, घरों का पानी भी सड़कों पर जमा होता रहता था, जिससे गंदगी और मच्छरों की समस्या बढ़ रही थी। वार्ड पार्षद और नगर निगम के प्रयासों से अब इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा रहा है। नाली निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क की साफ-सफाई बेहतर होगी और जल भराव की समस्या समाप्त हो जाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

मेट्रो एंकर

संत नगर किन्नर नेग विवाद

सुलह के लिए अनूपपुर पंचायत का इंतज़ार

दोहपर मेट्रो, हिरदाराम नगर

राजधानी के उपनगर संत हिरदाराम नगर में बीते कुछ दिनों से किन्नर समुदाय के दो गुटों के बीच नेग राशि को लेकर चल रहा विवाद अब एक अहम मोड़ पर आ गया है। इस मामले को सुलझाने के लिए पूज्य सिंधी पंचायत ने अपने कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष माधू चांदवानी ने की।

बैठक में दोनों विवादित गुटों को आमंत्रित किया गया था। पुराने गुट की गुरु रम्मो नायक ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वे पिछले 30-40 वर्षों से बैरागढ़ में नेग लेते आ रहे हैं और यहाँ के लोगों से उनका गहरा जुड़ाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरैया नायक के गुट के किन्नर जबरदस्ती बैरागढ़ में नेग वसूल रहे हैं, जबकि उनका अपना क्षेत्र मंगलवारा है। गुरु सुरैया नायक ने कहा कि उनके गुट के लोग भी रम्मो नायक के

क्षेत्र में नेग ले रहे हैं, जिसके कारण उन्हें पर्याप्त राशि नहीं मिल पा रही है। उन्होंने बैरागढ़ क्षेत्र को आपस में बांटने का प्रस्ताव रखा, जिस पर गुरु रम्मो ने कड़ा विरोध किया और विवाद बढ़ गया।

इस स्थिति को देखते हुए, पूज्य सिंधी पंचायत ने हस्तक्षेप किया और स्पष्ट किया कि यदि दोनों गुट विवाद जारी रखते हैं, तो पंचायत की ओर से यह निर्णय लिया जाएगा कि किसी को भी नेग नहीं दिया जाएगा।

काफी विचार-विमर्श के बाद, यह तय किया गया कि किन्नर समाज की एक बड़ी पंचायत आगामी 15 से 20 जुलाई तक अनूपपुर (शहडोल) में होने जा रही है। इस पंचायत में दोनों गुट अपना-अपना पक्ष रखेंगे और किन्नर समाज जो भी निर्णय लेगा, वह उन्हें मान्य होगा। यदि अनूपपुर पंचायत में कोई निर्णय नहीं हो पाता है, तो पूज्य सिंधी पंचायत जो निर्णय लेगी, उसे दोनों गुटों को मानना पड़ेगा। बैठक में पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, महासचिव नंद दादलानी, मुख्य सलाहकार नरेश तोलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, जगदीश आसवानी, सह सचिव जेठानंद मंगतानी, सह कोषाध्यक्ष माधव पारदासानी, बसंत चेलानी, कमल वीधानी, पुरुषोत्तम हरचंदानी, रमेश वाधवानी, अनिल टेकचंदानी, राज कुमार थावानी, राकेश शेवानी, कन्हैया नागदेव, प्रकाश आसूदानी, बबलू टेकचंदानी, दिलीप टहलरामानी, मुरली गुरबाणी सहित किन्नर समाज की ओर से गुरु रम्मो नायक, गुरु सुरैया नायक, काजल ठाकुर, मिली, सोनिया, मुस्कान, परवीन, गुडिया आदि उपस्थित थे।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प

अक्षय जल, सुरक्षित कल

जल गंगा संवर्धन अभियान

समापन समारोह एवं वॉटरशेड सम्मेलन

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

30 जून, 2025 । दोपहर 12 बजे

मंडी प्रांगण, खण्डवा, मध्यप्रदेश

'जल की हर बूंद में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।'

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल संरक्षण का 'जन संकल्प'

जल संचय में वृद्धि

- ₹2048 करोड़ लागत के 83 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण, जिससे खेत का पानी खेत में सिंचित होगा
- ₹254 करोड़ लागत से 1 लाख से अधिक कूप रीचार्ज
- अमृत सरोवर 2.0 के तहत ₹ 354 करोड़ लागत से 1 हजार से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण
- शहरी क्षेत्रों में 3300 से अधिक जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई एवं 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण पूर्ण

जनभागीदारी

- 40 लाख लोगों की भागीदारी से 5 हजार से अधिक जल स्त्रोतों का हुआ जीर्णोद्धार
- My Bharat पोर्टल के माध्यम से 2.30 लाख से अधिक जलदूत बनाए गए
- ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल का आयोजन

तकनीकी नवाचार

- GIS आधारित SIPRI सॉफ्टवेयर के उपयोग से जल स्त्रोतों का चयन एवं AI आधारित मॉनिटरिंग की गई
- नर्मदा परिक्रमा पथ एवं अन्य तीर्थ मार्गों के डिजिटलीकरण के जरिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जा सकेगा ख्याल

पर्यावरणीय एवं कृषि प्रभाव

- 57 प्रमुख नदियों में मिलने वाले 194 से अधिक नालों का चिह्नांकन एवं उनके शोधन के लिए योजना तैयार
- जैव विविधता संरक्षण हेतु घड़ियाल और कछुओं का किया गया जलावतरण
- 145 नदियों के उद्गम क्षेत्रों को चिन्हित कर हरित विकास हेतु योजना तैयार
- अविरल निर्मल नर्मदा योजना में 5600 हेक्टेयर में पौधरोपण प्रारंभ
- वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम का निर्माण
- पौधरोपण हेतु लगभग 6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित

वॉटरशेड हेतु कार्य

- ₹1200 करोड़ लागत की 91 वॉटरशेड परियोजनाएं स्वीकृत, 5.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा
- 9000 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं के जरिए किसानों को 1 वर्ष में दो से तीन फसलों का मिल रहा लाभ

D-11056/25

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

#जल_गंगा_संवर्धन_अभियान_MP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

असमानताओं के बीच आय का सर्वे

संभवतः अगले वर्ष व्यापक परिवार आय सर्वेक्षण कराने की शुरूआत हो सकती है। अखिल भारतीय आय वितरण सर्वेक्षण के निष्कर्ष अर्थव्यवस्था के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यय की क्षमताओं में अहम संरचनात्मक बदलाव को सामने ला सकते हैं। इससे गरीबी की स्थिति, आय की असमानता का स्तर तथा शहरी और ग्रामीण परिवारों की आम बेहतरी जैसे अहम संकेतकों को समझने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि हाल में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इसकी घोषणा की है। वैसे यह विषय अक्सर तीक्ष्ण और प्रायः विवादास्पद चर्चा का रहा है। मसलन, क्या आर्थिक विकास से सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है या क्या तथाकथित ट्रिकल डाउन प्रभाव स्पष्ट दिखता है। इसके बजाय परिवार खपत व्यय सर्वेक्षण के आंकड़े या कर रिटर्न फाइलिंग के आंकड़ों पर भरोसा किया जाता है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब जो राष्ट्रीय आय तथा अन्य सर्वेक्षणों के साथ कर रिटर्न का इस्तेमाल करती है, उसका अनुमान है कि 1947 से 1980 के दशक के आरंभिक वर्षों के दरमियान देश में असमानता में कमी आई लेकिन उसके बाद हालात उलट गए और विगत 25 सालों में इसमें भारी इजाफा हुआ। लैब के शोधकर्ताओं के मुताबिक वर्ष 22-23 तक देश के शीर्ष दस फीसदी कमाई वाले लोग राष्ट्रीय आय में करीब 60 फीसदी के हिस्सेदार थे जबकि निचले 50 फीसदी लोगों के पास राष्ट्रीय आय का केवल 15 फीसदी था। हालांकि, उन्होंने उल्लेख किया कि डेटा की गुणवत्ता खराब थी या कहीं बिल्कुल नहीं थी। लिहाजा 17-18 के एचसीईएस के परिणामों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। यकीनन आय सर्वेक्षण को लेकर यह पहला प्रयास नहीं है। 1955 से ही ऐसे चुनिंदा प्रयास किए जाते रहे हैं जो गति नहीं पकड़ सके। 1964 और 1970 के बीच दो परिवार सर्वेक्षणों में प्राप्तियों और वितरण के आंकड़े जुटाए गए लेकिन बाद में इसे खारिज कर दिया गया। कारण यह था कि इससे ऐसे आय अनुमान सामने आए जो घरों के संयुक्त उपभोग और बचत अनुमानों से कम थे। वह चुनौती आज भी बरकरार है। लोग अपने वास्तविक आय के ब्योरे साझा करने को लेकर भी सहज नहीं हैं। अधिकांश उच्च आय वाले लोग अपनी आय कम बताते हैं। वे अपने करीबियों से भी इसका खुलासा नहीं करते। इस अनिच्छा को दूर करना, सर्वेक्षण की विश्वसनीयता के लिए बुनियादी बात होगी। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका में आय और व्यय के संयुक्त सर्वेक्षण किए जाते हैं। वहां जीवन स्तर के बारे में पूछे प्रश्नों के उत्तर की दर, व्यय के पैटर्न पर पूछे गए प्रश्नों की तुलना में कम है जबकि नमूने में शामिल परिवारों के लिए इसमें भागीदारी करना कानूनी बाध्यता है। भारत के सर्वेक्षकों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि नमूने का आकार और चुने गए परिवार देश की 1.4 अरब की आबादी का प्रतिनिधित्व करते हों और इसमें विविध आय स्रोत वाले लोग हों, जिनमें कभी-कभार होने वाली आय या वस्तुओं के रूप में भुगतान भी शामिल हों। बावजूद ग्रामीण भारत में इसका सटीक आकलन कर पाना मुश्किल है। उभरता शहरी परिदृश्य भी गंभीर बाधा पैदा करता है। गेटेड कॉलोनियों में अक्सर सर्वेक्षण करने वालों को घुसने नहीं देते व ऐसे सर्वेक्षणों पर प्रतिक्रिया से मना करते हैं। ऐसे में सर्वेक्षण करने वालों को उनकी जगह अन्य परिवारों को चुनना पड़ता है। इससे नमूने का घटक बदल जाता है और नतीजों पर भी असर पड़ता है। इस गतिरोध से निपटना बहुत चुनौतीपूर्ण होगा। यानि आर्थिक परिदृश्य पर समाज की असामनता की तस्वीर सामने आ सकती है बशर्ते आंकडे विश्वसनीय हों।

शरीर जन्म लेता है और शरीर ही मरता है। आत्मा न तो जन्म लेती है और न ही कभी मरती है। आत्मा अजर, अमर और अविनाशी है।

-श्रीमद्भगवत गीता

आज का इतिहास

- 1934- जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर ने अपनी नेशनल सोशलिस्ट पार्टी में विरोधियों का सफाया किया।
- 1938- बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार कॉमिक में नजर आया।
- 1947- भारत के विभाजन की घोषणा के बाद बंगाल और पंजाब के लिए बाउंड्री कमीशन के सदस्यों की घोषणा।
- 1960- अमेरिका ने क्यूबा से चीनी का आयात बंद करने का फैसला किया।
- 1962- रवांडा और बुरूंडी आजाद हुए।
- 1990- पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी का विलय।
- 1997- हांगकांग से ब्रिटिश हुकूमत खत्म।
- 1999 - आस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री तथा नेशनल पार्टी के नेता टीम फ़िशर का इस्तीफ़ा।
- 2000- अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अमेरिका में डिजिटल हस्ताक्षर को कानूनी मान्यता दी।
- 2002 - ब्राजील ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबाल विश्व कप पर कब्जा किया।
- 2003 - चार आस्कर पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री कैथरीन हेपबर्न का निधन।
- 2005 - ब्राजील ने कनफ़ेडरेशन फ़ुटबाल कप जीता। और स्पेन ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दी।

निशाना

बदल सकते डेरा !

-कृष्णेन्द्र राय

रुख हो रहा नरम ।
बदल रहे बयान ।।
लगता आगे अलग ।
नया कुछ सम्मान ।।
क्या कहती नजदीकियां ।
लग रहे कयास ।।
हो शामिल इस दल में ।
बन न जाएं खास ।।
लगता वो भी राह अब ।
अलग रहे तलाश ।।
सूत्र भी लगभग अब ।
डाल रहे प्रकाश ।।
कर के रहेंगे फिर तो ।
नया अब सबेरा ।।
निकली सच्ची बात तो ।
बदल सकते डेरा ।।

शिक्षा की भाषा पर प्रतिपक्ष की राजनीतिक आग के खतरे

■ आलोक मेहता

राहुल गाँधी की कांग्रेस और उसके साथी तमिलनाडु के स्टालिन , महाराष्ट्र के उद्धव राज ठाकरे और शरद पंवार शिक्षा में हिंदी और भारतीय भाषाओं के महत्व का विरोध करके चुनावी लाभ पाने के लिए आक्रामक अभियान चला रहे हैं । नई शिक्षा नीति के तहत कई राज्य बच्चों को आठ वर्ष की आयु तक हिंदी और उनकी मातृभाषा में शिक्षा की व्यवस्था लागू कर दी है । मजेदार बात यह है की संस्कृत से तमिल , मराठी ,हिंदी सहित भारतीय भाषाओँ का अटूट रिश्ता रहा है । स्वतंत्रता सेनानी , संविधान निर्माता इन भाषाओँ के प्रबल समर्थक रहे हैं । हिंदी दुनिया के 150 से ज्यादा देशों में बोली जाती है। दिलचस्प बात यह है कि हिंदी दुनिया भर के 200 से ज्यादा विश्वविद्यालयों में पढ़ाई भी जाती है। पूरी दुनिया की अगर बात करें तो तकरीबन एक अरब लोग हिंदी समझते बोलते हैं और भारत में क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुछ नेता जनता को भ्रमित कर भड़काने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं ।

इस दृष्टि से गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ अभिव्यक्त करने की भावना को प्रोत्साहित करना चाहिए । श्री शाह ने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे स्थानीय भाषाओं में चिकित्सा और इंजीनियरिंग जैसी उच्च शिक्षा प्रदान करने की पहल करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार इस दिशा में राज्यों को हरसंभव सहयोग देगी। गृह मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रशासनिक कार्यों में भारतीय भाषाओं का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। भाषाएं मिलकर देश के सांस्कृतिक आत्मगौरव को ऊंचाई तक ले जा सकती हैं। उन्होंने मानसिक गुलामी की भावना से मुक्ति पाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व महसूस नहीं करता और खुद को उसी भाषा में अभिव्यक्त नहीं करता, तब तक वह पूरी तरह आजाद नहीं हो सकता।, भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा होती है। इसलिए भारतीय भाषाओं को जीवित और समृद्ध बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय भाषाओं का विकास हो, इसके लिए जरूरी है कि आने वाले समय में समर्पित प्रयास किए जाएं। भारतीय स्कूली पाठ्यक्रम के तहत बुनियादी शिक्षा में मातृभाषा को शामिल किया गया है। इसने छात्रों के लिए नए दरवाजे खोले हैं और उन्हें अधिक प्रभावी ढंग से सीखने में सक्षम बनाया है। इसने पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा प्रणालियों के बीच की खाई को पाटने में भी मदद की है।

हिंदी भाषा भारत के बाहर 20 से अधिक देशों में बोली जाती है ।, भूटान नेपाल, म्यामांर, बांग्लादेश, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात , सिंगापुर, मलेशिया, थाइलैंड, हांगकांग, फ़िजी, मॉरीशस, ट्रिनिडाड, गुयाना, सूरीनाम, इंग्लैंड, कनाडा, और अमेरिका में भी हिन्दी बोलने वालों की काफ़ी संख्या है। दक्षिण अफ्रीका, यमन, युगांडा और न्यूजीलैंड में रहने वाला एक पूरा वर्ग हिंदी बोलता है । अमेरिका , जर्मनी , ब्रिटेन जैसे कई देशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में हिंदी की शिक्षा और शोध कार्यों को महत्व मिल रहा है । विदेशी कंपनियां भारतीय बाजार में सफलता के लिए बड़े पैमाने पर हिंदी तथा भारतीय भाषाओँ के जानकार युवाओं को नौकरियां दे रहे हैं ।

केंद्र सरकार मेडिकल इंजीनियरिंग आदि की शिक्षा हिंदी तथा भारतीय भाषाओँ की पुस्तकें तैयार करने के लिए विशेष अनुदान दे रही है । बताया जाता है कि मध्य प्रदेश में 2022 में मेडिकल कॉलेज के लिए पाठ्यक्रम हिंदी में शुरू किया गया।पहले वर्ष की तीन प्रमुख किताबें (एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री) हिंदी में उपलब्ध करवाई गईं। पहली बार हुआ कि कोई राज्य हिंदी में मेडिकल शिक्षा दे रहा है। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार भी हिंदी में मेडिकल शिक्षा शुरू करने की योजना पर काम कर रहे हैं।हिंदी अनुवाद की राष्ट्रीय मेडिकल आयोग द्वारा समीक्षा जारी है।तमिलनाडु और कर्नाटक में तमिल और कन्नड़ भाषा में चिकित्सा शब्दावली और कोर्सबुक्स का विकास कार्य प्रारंभ हो चुका है।

इसी तरह इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए . आईआईटी मद्रास , वाराणसी , मुंबई जैसे संस्थानों ने प्रयोग के तौर पर हिंदी, तमिल, मराठी में बी.टेक. कोर्स शुरू किए हैं।ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के अनुसार 12 भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों का अनुवाद किया गया है।इनमें हिंदी, मराठी, तमिल, बंगाली, गुजराती, तेलुगु, उर्दू आदि शामिल हैं। मध्य प्रदेश में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों मेंभी हिंदी माध्यम से बी टेक पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ है।महाराष्ट्र में मराठी में इंजीनियरिंग शिक्षा देने के लिए कुछ विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। इंजीनियरिंग की पहले वर्ष की किताबें अब हिंदी, मराठी, तमिल, बांग्ला, उर्दू में उपलब्ध हैं।खासकर ग्रामीण या कमजोर अंग्रेज़ी पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए मातृभाषा में शिक्षा बहुत लाभदायक साबित हो रही है । हाँ इतना अवश्य है कि अब भी हिंदी भाषी प्रदेशों में स्कूलों में एक अन्य भारतीय भाषा अनिवार्य रुप से पढ़ाने पढ़ने पर अधिक ध्यान नहीं दिया गया है । यहाँ तक कि फ्रेंच ,जर्मन भाषा सीखने का इंतजाम कई राज्यों के स्कूलों में है । जबकि हिंदी के साथ मराठी , गुजराती जैसी पडोसी राज्यों की भाषाएं सरलता से सीखी जा सकती है । सरकार से जमीन और अन्य सुविधाएं लेने वाले गैर सरकारी निजी स्कूलों में भी अंग्रेजी हिंदी के अलावा एक भारतीय भाषा के अध्यापन की व्यवस्था को मान्यता से जोड़ा जाना चाहिए । सारी स्वायत्तता के बावजूद राष्ट्रीय विकास और एकता के लिए कुछ कड़े नियम कानून भी होने चाहिए ।

आश्चर्य की बात यह है कि वर्षों पहले त्रिभाषा नीति लागू करने का निर्णय कांग्रेस सरकार ने किया था , लेकिन सही ढंग से पहले अमल नहीं किया । कांग्रेसी नेता अब क्रियान्वयन के अवसर पर इसका विरोध कर रहे हैं । उन्हें जाति , भाषा और धर्म की राजनीति से क्षेत्रीय दलों की बैसाखी मिलने की उम्मीद लगती है । लेकिन चुनावों में क्या जाति के नाम पर वे बिहार उत्तर प्रदेश में लालू यादव और अखिलेश यादव के परिवारों और पार्टियों से अधिक वोट सीटें ला सकती हैं ? महाराष्ट्र में पवार और ठाकरे परिवार समझौते चाहें कर लें , कांग्रेस को वोट नहीं दिलाने वाले हैं । यह भी याद रखा जाना चाहिए कि पूर्व प्रधान मंत्री नरसिंहा राव दक्षिण भारतीय तेलुगु भाषी होते हुए भी हिंदी , मराठी सहित कई भाषाओं में बोलने लिखने में निपुण थे । कन्नड़ भाषी एचडी देवेगौड़ा ने प्रधान मंत्री बनने पर हिंदी सीखी और हिंदी में भाषण देने में सक्षम हुए । डॉ. मनमोहन सिंह अपने भाषण उर्दू या रोमन में लिखवाकर भाषण दे देते थे । लेकिन गृह मंत्री रहते कांग्रेसी चिदंबरम ने किसी कीमत पर हिंदी नहीं बोली और सरकार के राजभाषा विभाग के विभाग को प्रोत्साहित नहीं किया और न ही तमिल भाषा को आगे बढ़ाने के प्रयास किए । वह गाँधी परिवार के प्रमुख दरबारी सेनापति रहे हैं । इसलिए राहुल को सरकार की शिक्षा नीति रास नही आ रही । उन्हें हारवर्ड, ऑक्सफ़ोर्ड को खुश रखते हुए भारतीय व्यवस्था को कोसना है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

बेटियों के लिए मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

■ ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।

पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 वैश्विक लैंगिक अंतर का आकलन और तुलना करने के लिए एक समझने योग्य ढांचा प्रदान करके और उन देशों को उजागर करके जो इन संसाधनों को महिलाओं और पुरुषों के बीच समान रूप से विभाजित करने में रोल मॉडल हैं, रिपोर्ट अधिक जागरूकता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के बीच अधिक आदान-प्रदान के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। भारत में समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये बालिकाएं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आधार बन सकेगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

सालों पुराने खपरैल के क्षतिग्रस्त आवासों में रह रहे कर्मचारी, पूरे समय सताता है हादसे का खतरा

रखरखाव के अभाव में खंडहर में बदल चुके आवास मजबूरी में परिवार के साथ रह रहे पुलिसकर्मी

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

आमजन की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस कर्मी किस हालात में पुलिस क्वार्टरों में रह रहे हैं इसका अंदाजा बिना देखे नहीं लगाया जा सकता है टूट चुके खिड़की, दरवाजों की जगह लगे कपड़े के खिड़की दरवाजे, टपकते छत, टैंक विहीन टॉयलेट, पीने के पानी की किल्लत और आवासों के पास गंदगी का आलम, यह तस्वीर है जिले के तेजगढ़ थाना के पुलिस आवासों की है जिनमें पुलिस जवान और उनका परिवार बमुश्किल गुजारा कर रहा है।

आरक्षकों और उनके परिवार वालों को रहने लायक मकान तक नसीब नाहीं हो पाए हैं आरक्षकों का परिवार कंडम घोषित हो चुके मकानों में रहने को मजबूर हैं दरअसल ब्लॉक के तेजगढ़ थाना में बने दर्जनों सरकारी आवासों का समय पर सुधार न होने के कारण अब वह खंडहर में बदलने लगे हैं। कई क्वाटरों में लगी कीमती सामग्री खिड़की, दरवाजे गायब हो चुके हैं। इन क्वाटरों की दुर्दशा सुधारने न तो जिम्मेदार विभाग ध्यान दे रहा है और ही इन क्वाटरों में रहने वाले कर्मी फिक्रमंद है जिसके कारण ये भवन धीरे धीरे जर्जर हालत में पहुंच चुके है इनमें से कुछ तो जमींदोज भी हो चुके हैं। जिसके कारण अधिकतर पुलिसकर्मियों के पास रहने के लिए बेहतर आवास उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं और वह किराए के मकान में रहने के लिए मजबूर हैं वैसे तो

पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए तेजगढ़ थाना परिसर में रहने हेतु दर्जनों क्वाटर बने हुए हैं, लेकिन जो क्वाटर बने हैं वह कई साल पुराने है और खपरा वाले इन क्वाटरो की हालत पूरी तरह से खराब हो चुकी है। इन आवासों का सुधार कार्य भी नहीं कराया जाता है। जिसके कारण इनकी हालत दिनों दिन खराब होती जा रही है। जब भी जिले या सागर से वरिष्ठ अधिकारियों का आना-जाना होता है। वह भी इन आवासों की दुर्दशा देखकर चले जाते हैं। इन सरकारी आवासों में रहने वाले पुलिसकर्मी भगवान भरोसे निवास कर रहे हैं। क्योंकि प्रतिदिन इनके घरों में जहरीले जीव जंतु निकलते रहते हैं। इससे पुलिसकर्मी डरे सहमे रहते हैं। यह आवास थाना परिसर के अंदर बने हुए हैं। जहां पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी सहित पुलिस विभाग के अधिकारियों का तेजगढ़ थाने में आना जाना होता है, लेकिन अधिकारियों की नजर भी सुधार कार्य की ओर नहीं पहुंच रही है। निवास कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि 20 साल से भी अधिक का समय बीत गया है, लेकिन इन आवासों की मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है। जिससे ये खंडहर में तब्दील होने पर पहुंच चुके है

तेंदूखेड़ा पुलिसकर्मी के भी क्वाटरों हो चुके कंडम

इसी तरह तेन्दूखेड़ा नगर में पांच थानों और पांच पुलिस चौकी के अंतर्गत अनुविभाग कार्यालय बना हुआ है लेकिन यहां पर भी पुलिसकर्मियों के रहने के लिए पक्के आवास उपलब्ध नहीं है तेन्दूखेड़ा थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी किराए के मकानों एवं खंडहर क्वाटरो में रहने मजबूर हैं कहने को तो पुलिसलाइन है लेकिन इस पुलिस लाइन में बने क्वाटरों जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं दरअसल नगर में बने पुलिस लाइन के सभी क्वाटर पुराने और जर्जर हो चुके हैं। यहां बने पुलिस क्वाटर की मरम्मत बीते 10 साल से नहीं की गई है मिट्टी के बने ये कच्चे मकान अब इतने ज्यादा जर्जर हो चुके हैं कि इनकी मरम्मत संभव नहीं है तेजगढ़ और तेन्दूखेड़ा में रहने वाले पुलिसकर्मी बरसात में इन मकानों में रह रहे पुलिस जवान के परिवार के लोग डरे हुए रहते हैं तेज बारिश में कभी भी मकान गिर सकते हैं हादसे का खतरा हर वक्त बना रहता है इन मकानों की आयु 50 साल से भी अधिक हो चुकी है

तेजगढ़ और तेंदूखेड़ा थानों में पदस्थ आरक्षकों ने बताया कि यहां के हालात वाकई में डरावने हैं। हर वक्त खतरा मंडराता रहता है। वर्तमान में मकानों की हालत ये है कि दीवारों का प्लास्टर उखड़कर गिर रहा है। क्वाटरों की दीवारों के हालात ऐसे है कि यदि उनमें एक कील लगाई जाए तो दरार आ जाती है। खपरैल छत की हालत भी बेहद नाजुक है। छत से पानी रिसने के कारण हर घर में प्लास्टिक पॉलीथिन बांधी गई है। रात में यदि बारिश होती तो उसमें पानी भर जाता है। कर्मी एवं परिवार के सदस्य पानी बाहर निकालते हुए नजर आते है

फर्श और दीवार हो गई छतिग्रस्त

जिस क्वाटरों में यह पुलिसकर्मी निवास कर रहे हैं उनका फर्श उखड़ गया है और दीवारों में सीमेंट नहीं बचा है। साथ ही दरारें आ गई है और बड़े बड़े छेद दीवारों पर हो गए हैं। भवनों की पुताई भी अभी तक नहीं की गई है। इन आवासों का सुधार न होने से खंडहर हो गए हैं। कई क्वाटरों में लगी सामग्री जैसे खिड़की दरबाजे गायब हो चुके हैं और खपरा तक नहीं दिखाई देते हैं। जिस कारण आवासों के अंदर बारिश में पानी भर जाता है। जिससे परिजनो को मुश्किलें खड़ी हो जाती है। उनकी दुर्दशा सुधारने न तो जिम्मेदार विभाग ध्यान दे रहा है और न ही इनमें रहने वाले पुलिसकर्मी। जिसके कारण ये भवन धीरे धीरे जर्जर हालत में पहुंच कर कभी भी जमींदोज हो सकते हैं। जिसके कारण बड़ा हादसा भी हो सकता है। इनमें से कुछ तो जमींदोज भी हो चुके हैं। जिसके कारण अधिकतर पुलिसकर्मी बेहतर आवास उपलब्ध नहीं होने के कारण मजबूरी में वह तेजगढ़ व तेन्दूखेड़ा में किराए के मकान में रहने के लिए मजबूर हैं।

परिवहन के नाम पर मिल रहा साइकिल भत्ता

इस दौर में भी पुलिस कर्मियों को वाहन के नाम पर सिर्फ साइकिल भत्ता दिया जा रहा है जिसके तहत प्रतिमाह 18 रुपए पुलिस कर्मियों को दिए जा रहे है। गौर करने वाली बात ये है कि इतने कम भत्ते में पुलिस कर्मी कैसे गुजारा करेंगे। जबकि तहसील में यदि कोई पुलिस कर्मी किराए से मकान लेता है तो उसकी किराया राशि 3 हजार से 5 हजार रुपए तक होती है

नए मकान की दूर-दूर तक आशा नहीं

पुलिस विभाग अनुसार कुछ मकानों को कंडम घोषित कर दिया गया है, लेकिन नये आवास की अनुपलब्धता होने पर इन मकानों में भी सिपाही, आरक्षक, प्रधान आरक्षक, चालक सहित अन्य रह रहे है। गौर करने वाली बात ये है कि क्वाटरों की स्थिति से पुलिस विभाग के बड़े अफसर बाखिफ है लेकिन इस ओर किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पुलिसकर्मियों को तहसील स्तर पर हर माह 270 किराया मिलता है। जिसमें बिजली का बिल भी नहीं भर सकता और इतने रुपयों में आवास मिलना मुश्किल है।

संचालक मंडल की निर्वाचन सूची को अंतिम रूप देने रजिस्ट्रीकरण एवं अपीलीय अधिकारी नियुक्त

नर्मदापुरम. म.प्र. राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी भोपाल एम.बी. ओझा ने मप्र सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ग (2) के प्रावधानों के अन्तर्गत कानन तवा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित रानीपुर, जिला नर्मदापुरम के संचालक मंडल के निर्वाचन हेतु सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिए श्रीमती विनीता चौधरी, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, जिला नर्मदापुरम को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं मप्र सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ग (5) (ङ) के अंतर्गत रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरूद्ध अपील प्राप्त करने एवं अपील का निर्धारित अवधि में निराकरण करने हेतु उपायुक्त, सहकारिता, जिला नर्मदापुरम को अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही श्री ओझा ने निर्देशित किया है कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरूद्ध अपील प्राप्त होने की स्थिति में उसे निश्चित समयावधि में निराकृत करें।

स्व-सहायता समूह से मिली नई राह, श्रीमती अंगूरी अहिरवार बनीं आत्मनिर्भर

नर्मदापुरम। जिले के ग्राम भटगांव की रहने वाली अंगूरी अहिरवार आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। अंगूरी ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्राम में महिला समूहों के गठन का कार्य किया गया। समूह से जुड़ने के बाद दीदी को आजीविका गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने ग्राम में ही एक कॉमन सर्विस सेंटर शुरू किया, जिससे उनकी आमदनी बढ़ी और वे आत्मनिर्भर हो गई, ग्रामवासियों को भी ऑनलाईन सेवाओं का लाभ मिलने लगा।

भगवान जगन्नाथ को लगाया 56 भोग

गंजबासौदा। नौलखी मंदिर में प्रभु जग्न्नाथ इन दिनों अपनी मौसी के घर पर आये हुए है, जिनकी सेवा मे नौलखी मंदिर पर प्रतिदिन श्रीमहंत श्री श्री 1008 राम मनोहर दास जी महाराज के श्रीमुख से कथा का वाचन किया जा रहा है इसी क्रम मे प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी ब्राहमण दल के तत्वधान मे भगवान के श्री चरणों मे छप्पन भोग अर्पित कर राष्ट्र विकास सनातन तथा गौ माता की रक्षा की कामना के साथ सामूहिक अर्चना की गई। इस अवसर पर श्रीमहंत श्री राममनोहर दास जी द्वारा पुरी नगर के महत्व पर प्रकाश डाला तथा तीर्थ यात्रा करने पुण्य पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर श्री महंत जी द्वारा विशाल ब्राहमण भोज का आयोजन किया गया।

रजत जयंती मनाने समिति की बैठक हुई आयोजित

रक्त सेवा समिति युवा शाखा के अध्यक्ष बने शुभेंद्र और सचिव सौमित्र नियुक्त

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

रक्त सेवा समिति की बैठक समिति कार्यालय विश्वंभरा धर्म कांटा पर आयोजित की गई। जिसमें समिति के रजत जयंती वर्ष के समारोह पूर्वक मनाने हेतु विचार विमर्श किया गया। 12 अगस्त 2025 से 12 अगस्त 2026 तक रजत जयंती वर्ष समारोह समिति द्वारा मनाया जाएगा। रजत जयंती में वर्ष भर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएगी जिसमें समिति के सभी सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए गए। जिन्हें सर्व सहमति से स्वीकार किया गया। बैठक में समिति के संस्थापक राजेश तिवारी ,समिति अध्यक्ष राकेश जैन,समिति की

महिला शाखा की अध्यक्ष ममता जैन युवा अध्यक्ष शुभेंद्र सिंह राजपूत ,महिला कार्यकारी अध्यक्ष विद्या यादव, महिला शाखा संरक्षक प्रमिला तिवारी, समिति उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन परवेज फैजलानी सचिव अनिल दुबे कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, योगाचार्य महेंद्र सिंह रघुवंशी, शिविर प्रमुख सुनील अहिरवार, राजेंद्र सिंह गौर समिति सदस्य रविशंकर लोहिया, महिला शाखा सचिव रेहाना फजलानी, संगीता तिवारी , सुनीता दुबे,मीनेश यादव, रेखा साहू अदिति अरोरा अंजू तिवारी , सौम्या,कविता शर्मा सुनंदा लोहिया जयंती जैन साक्षी तिवारी कुमारी सौम्या तिवारी सौमित्र तिवारी रमन तिवारी मोहित भार्गव उपस्थित रहे बैठक का संचालन अनिल दुबे तथा आभार समिति अध्यक्ष राकेश जी जैन द्वारा किया गया।

रेलवे स्टेशन पर चल रही निशुल्क जल सेवा का हुआ समापन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

रेलवे स्टेशन पर नागरिक सेवा समिति की ओर से विगत 41 वर्षों से जो निशुल्क शीतल जल सेवा का सेवा कार्य प्रतिवर्ष गुड़ी पड़वा से प्रारंभ होता है रविवार को उस जल सेवा का मूली बाई धर्मशाला में समापन किया गया जल सेवा व्यवस्थापक योगेश शाह और नान जी भाई ने बताया हालांकि यह जल सेवा का कार्य पूर्ण रूप से समापन नहीं हुआ है मौसम अनुसार यह निशुल्क जल सेवा निरंतर चालू रहेगी कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाज सेवी कान्ति भाई शाह, इस वर्ष के जल सेवा के सहयोगी राधेश्याम साहू , शंभू दयाल शर्मा, सत्यपाल तनवानी, शांतिलाल शाह, दमयंती धर्म कांटा सेवार्थ के संचालक योगेश शाह एवं नान जी भाई उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नागरिक सेवा समिति के सचिव सुरेश तनवानी ने किया एवं श्वेतांबर समाज के सचिव विनोद शाह ने सभी का आभार व्यक्त किया

प्रधानमंत्री सिंचाई योजना: ड्रिप इरीगेशन से हासिल की बेहतर पैदावार

नर्मदापुरम। कृषि क्षेत्र में जल प्रबंधन और सिंचाई की आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। इसी कड़ी में नर्मदापुरम जिले की बनखेड़ी तहसील के ग्राम आमगांव के प्रगतिशील कृषक आशीष कुमार गुर्जर ने अपने खेत में ड्रिप इरीगेशन तकनीक अपनाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के तहत मिले संसाधनों एवं तकनीकी मार्गदर्शन से श्री गुर्जर ने अपनी कृषि भूमि में ड्रिप इरीगेशन सिस्टम स्थापित किया। इस तकनीक से उन्होंने सब्जी की खेती कर बेहतरीन उत्पादन हासिल किया है। श्री गुर्जर बताते हैं कि ड्रिप इरीगेशन तकनीक के माध्यम से फसलों को जरूरत के अनुसार और नियमित रूप से जल की आपूर्ति होती है, जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ती है बल्कि जल संरक्षण भी होता है। उन्होंने कहा कि इस पद्धति से खेतों में पानी का अपव्यय रुकता है और पौधों को जड़ों तक उचित नमी प्राप्त होती है। संचालन भी अत्यंत सरल और सुविधाजनक है। किसान आशीष गुर्जर ने क्षेत्र के अन्य किसान भाइयों से अपील की है कि वे भी सब्जियों सहित अन्य फसलों की सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन तकनीक का उपयोग करें। इससे जल की बचत के साथ-साथ उत्पादन में भी बढ़ोतरी संभव है और लागत भी कम आती है।

केंद्रीय जेल खंड ब में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ

नर्मदापुरम। केंद्रीय जेल खंड (ब) में कैदियों के लिए दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जहां डॉ शिवम गौर ने लगभग 60 कैदियों के दांतों का इलाज किया, जिसमें उनका सहयोग हेल्थ एक्टिविस्ट डॉ.मयंक तोमर और फार्मासिस्ट नमिता श्रीवास ने किया,डॉ. मयंक तोमर ने कहा कि सभी को दिन में दो बार दांत साफ करने की आदत डालनी चाहिए, ताकि कीटाणु दांतों को खराब न कर सकें. शिविर के दौरान समाजसेवी भावना बिष्ट, जैल स्टाफ आदि मौजूद रहे, सहायक जेल अधीक्षक योगेश शर्मा ने सभी अतिथियों को गुलदस्ते देकर धन्यवाद दिया।

मेट्रो एंकर | अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृ शक्ति ने की चित्रगुप्त घाट पर सफाई, राम जी बाबा देव मंदिर के सामने किया पौधरोपण

मां नर्मदा की सफाई के लिए इस प्रकार के अभियान चलते रहना चाहिए: टीआई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा के घाटों पर इस प्रकार के अभियान कुछ समय अंतराल बाद चलते रहना चाहिए, इससे मां नर्मदा के घाटों की साफ सफाई होती है । पॉलीथीन, कचरा साफ होता है जिससे हमारी मां नर्मदा स्वच्छ रहती है और उसकी कल कल धारा बहती रहती है। कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा यह एक अच्छा कार्य किया जा रहा है। इसमें सभी को हिस्सा लेना चाहिए । जीवनदायनी मां नर्मदा को स्वच्छ रखना चाहिए यह हम सभी की जिम्मेदारी है। इससे हमारे शहर की शोभा बढ़ती है और मां नर्मदा भी प्रदूषित नहीं होती जिससे पर्यावरण शुद्ध और साफ होता है । यह बात थाना प्रभारी देहात प्रवीण चौहान ने अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा चित्रगुप्त घाट पर स्वच्छता अभियान में रविवार को शामिल होकर कहीं । उन्होंने कहा कि हमें मां नर्मदा को साफ रखना चाहिए और सभी को इसमें बढ़ चलकर हिस्सा लेना चाहिए। भारी बारिश के बावजूद मातृशक्ति ने नर्मदा के

घाट पर साफ-सफाई की और कचरा कूड़ा , गंदगी निकालकर डस्टबिन में डाली। इसके साथ ही बारिश के चलते अखिल भारतीय कायस्थ समाज कि मातृशक्ति द्वारा पौधरोपण का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर ज्योति वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, सी बी खरे, केशव देव वर्मा, लालता प्रसाद, अदित्य, मंजू श्रीवास्तव, प्रीति खरे, सुमन वर्मा , जानकी, रश्मि सक्सैना, नेहा थापक , दीपक थापक सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

रामजी बाबा देव मंदिर के पास लगाए नीम आंवला के पौधे..

अखिल भारतीय कायस्थ समाज कि मातृशक्ति द्वारा राम जी बाबा देव मंदिर के सामने पौधारोपण किया गया। इस दौरान नीम, आंवला सहित कई प्रजाति के पौधा रोपण किया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने कहा कि मातृ शक्ति द्वारा और सामाजिक कायस्थ समाज द्वारा एक पेड़ मां नर्मदा के नाम से हर रविवार पौधे लगाए जाएंगे। देव में मंदिर के सामने शासकीय भूमि पर पौधारोपण किया गया है। यहां पार्क भी डेवलपमेंट हो रहा है । पौधा रोपण का यह कार्यक्रम बारिश भर चलेगा । इस अवसर पर समाज की प्रखर समाजसेवी एवं सेवा निवृत शिक्षिका मंजू श्रीवास्तव का कहना है कि पेड़ लगाने से प्रकृति का संतुलन बना रहता है। हर रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण किया जाएगा, जिसमें सभी लोगों से हिस्सा लेने की बात कही गई।

करीब एक करोड़ लागत के दो भवनों का भूमिपूजन, साथ ही निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा शमशाबाद विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने आज ग्राम पंचायत सलैया में नवीन पंचायत भवन और उप स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण कार्यो का भूमि पूजन किया ।

ग्राम सलैया में 37.50 लाख रुपए की लागत से नवीन पंचायत भवन और 55 लाख की लागत से उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कराया जाएगा।

भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री मीणा ने कहा कि क्षेत्र के विकास हेतु कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया है कि संपूर्ण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा कराना सुनिश्चित करें ताकि स्थानीय नागरिकों को उपरोक्त भवनों का लाभ यथाशीघ्र मिल सकें।

सलैया में 37.50 लाख से नवीन पंचायत भवन, 55 लाख से उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन बनेगा

विधायक मीणा ने कहा कि शासन चहुंमुखी विकास के लिए कृत संकल्पित है

विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा कि शासन हरेक वर्ग के चहुंमुखी विकास के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने शासकीय योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ लेने की अपेक्षा अभिव्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिन कार्यक्रमों में ई केवाईसी कराया जाना आवश्यक है निश्चित ही यह कार्य समय सीमा में पूरा कराएं ताकि उसे योजना से होने वाले हितलाभों से विधानसभा क्षेत्र का एक भी पात्रता धारक वंचित ना हो सके।

कार्यक्रम को विदिशा जनपद पंचायत के अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी ने भी संबोधित किया क्षेत्र के नायब तहसीलदार राजेन्द्र त्यागी ने इस अवसर पर फार्मर आईडी के संबंध जानकारी संध्या की और हर एक किस को करना आवश्यक है ताकि शासन की सभी योजनाओं का लाभ प्राप्ति में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत 40 हेक्टेयर भूमि में आयोजित हुआ सामूहिक वृक्षारोपण

विधायक शर्मा ने अपनी मां रमा देवी के नाम से रोपा पीपल का पौधा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रविवार को ग्राम कल्याणपुर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वन विभाग के द्वारा लगभग चालीस हेक्टेयर में 40 हजार वृक्षों के रोपण का लक्ष्य लेकर इसी की शुरुआत की विधायक उमाकांत शर्मा ने अपनी मां रामदेवी जी के नाम से पौधा लगाया उसकी देखभाल की जिम्मेदारी मिली उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हम सभी को अधिक से अधिक स्थानों पर पौधारोपण करके उनकी देखभाल अपने मित्र और परिवार की तरह करनी होगी नगर को ग्रीन और क्लीन बनाने का सपना पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा जी ने जो संजोया था उसको पूरा करने के लिए हम सब मिलकर प्रयास करेंगे ऑक्सीजन पार्क और शहर के सभी मुख्य मार्गो पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में पीपल के पेड़ लगाएंगे क्योंकि यह हमें जीवन देते हैं सबसे ज्यादा ऑक्सीजन पीपल में ही पाया जाता है जीवन देने वाला पेड़ है,कोरोना कल में ऑक्सीजन की कमी के कारण क्या हालात थे । पीपल के पेड़ लगाने से यह समस्या काफी हद तक दूर हो

जाएगी। जंगलों को अतिक्रमण धारियां से मुक्त करवाने निरंतर वन विभाग कम कर रहा है कुछ लोगों को मेरी शिकायत बुरी जरूर लगी है काफी जमीन को खाली भी करवाया गया लटेरी क्षेत्र की सागुन सबसे ज्यादा अच्छी होती है।

पीएम के मन बात कार्यक्रम विधायक ने, कार्यकर्ताओं के साथ खोदूपुर के मतदान केंद्र पर सुना

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ केंद्रों पर लाइव प्रसारण के माध्यम से सुना। विधायक उमाकांत शर्मा के मतदान केंद्र क्रमांक 185 खोदूपुर पर सहभागिता मन की बात को कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महीने के अंतिम रविवार को मन की बात का कार्यक्रम होता है जिसमें विभिन्न विषयों से लेकर हर क्षेत्र में काम करने वालों विषयों पर विस्तार चर्चा करते हैं। इसी तरह नगर के मतदान केदो पर भी कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम को सुना। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता तथा आमजन मौजूद थे।

श्री शर्मा ने पर्यावरण प्रकृति संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वपूर्ण अभियान के अंतर्गत छात्रों,जनप्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने सामूहिक रूप से एक साथ करीब बारह सौ पौधों का रोपण किया। विधायक ने कहा कि आगामी समय में हम सिरोंज में एक ऑक्सीजन उद्यान का निर्माण करेंगे जिसमें सैकड़ों की संख्या में केवल पीपल के वृक्ष लगाएंगे। इसके लिए उन्होंने डीएफओ हेमंत यादव को उत्कृष्ट मार्ग पर जन्मदिन पार्क से राधा कुंड की भूमि को चयनित कर संरक्षित करने के निर्देश भी दिए।

डीएफओ हेमंत यादव ने कहा कि जिले में सिरोंज ऐसा क्षेत्र हे जहां सबसे अधिक भूमि है। मुझे कहने में गर्व होता हे कि उमाकांत शर्मा ऐसे विधायक हैं जिनका सहयोग ओर मार्गदर्शन हमे सदैव सकारात्मक रूप से मिलता सिरोंज लटेरी के खोए हुए वन संपदा वैभव को पुनः लौटाने के लिए प्रयासरत हैं।

एसडीएम हर्षल चौधरी ने भी प्रेरणादायक कहानी के साथ वन संरक्षण एवं वृक्षारोपण महत्व को समझाया। इस अवसर पर सभी उपस्थित नागरिकों ने पीपल,जामुन,खेर, छोला,सागौन, शीशम,आंवला सहित अनेक प्रजातियों के वृक्षों का रोपण किया। इस दौरान नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, वन परिक्षेत्र अधिकारी ब्रज मीणा आदि मौजूद थे।

खेत पर बोवनी करने गए किसान व उसके ट्रेक्टर ड्राइवर पर किया जानलेवा हमला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज के वार्ड क्रमांक 4 नयापुरा निवासी युसूफ खान अपने ट्रैक्टर ड्राइवर शाहिद खान निवासी ग्राम महू गंगाखड़ी अपनी ज़मीन पर लगभग शाम के 4 बजे बोवनी करने गए थे इस दौरान ग्राम गंगा खेड़ी के 10 15 लोग हाथों में लाठी डंडे फरशा, कुल्हाड़ी लेकर आए और युसूफ खान और ड्राइवर शाहिद खान को भद्दी भद्दी गालियां देने लगे इन लोगों ने कहा कि हमारे पास कोर्ट का आदेश है हम जीत गए हैं फिर भी यह लोग नहीं माने और दोनों पर लाठी डंडों एवं कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंचे परिवार जनों द्वारा शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय में उन्हें भर्ती कराया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर कर दिया गया गंभीर घायल युसूफ खान की हालत नाजुक बताई जा रही है उनके परिवार जनों ने बताया कि युसूफ खान के सर और हाथ पैरों एवं बदन पर काफी गंभीर चोटे आई हैं अस्पताल की तहरीर पर थाना सिरोंज में ग्राम गंगाख?ड़ी निवासी उजागर बंजारा, कल्लू बंजारा,छत्तु बंजारा,भेड़ा बंजारा,राजमल के विरुद्ध बीएनएस 2013 की धारा 109 (1) 296, 215 (2) 118 (1) 351 (3) 3 (5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं सिरोंज थाना प्रभारी पंकज गीते से मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है बाकी आरोपी गिरफ्त से बाहर हैं।

सशक्त वाहिनी अभियान अंतर्गत आवेदन जमा करने का आज अंतिम दिन

सिरोंज। विदिशा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास द्वारा महिला एवं बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से सशक्त वाहिनी अभियान अंतर्गत युवतियों/बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं विशेषकर पुलिस भर्ती में चयन हेतु - निःशुल्क मार्गदर्शन, अध्ययन एवं शारीरिक प्रशिक्षण हेतु इच्छुक प्रतिभागियों से आवेदन बीस जून से आमंत्रित किए गए थे। जिसकी अंतिम तिथि 30 जून इसके लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कार्यालय जो कलेक्ट्रेट परिसर विदिशा में संचालित हो रहा है तथा महिला एवं बाल विकास कार्यालय जो दुर्गानगर विदिशा में है। उक्त दोनों कार्यालयों में से किसी भी एक में का जमा कर सकते हैं।

ठेकेदार की लापरवाही से फूटी पाइप लाइन बर्बाद हो गया हजारों लीटर पेयजल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नाला निर्माण करने वाले ठेकेदार की अनदेखी के कारण जल सप्लाई की पाइपलाइन फूटने से हज़ारों गैलन पानी बर्बाद हो गया क्षेत्र के अधिकांश घरों में लोग पानी के लिए तरसते रहे कई घंटे की लाइन फूटने से सप्लाई बंद रही कई घंटे के प्रयास के बाद फूटी हुई पाइप लाइन को जोड़ने का कार्य नगर पालिका के द्वारा किया गया । जेसीबी से लापरवाही से कार्य के दौरान जल सप्लाई की पाइपलाइन टूटी नुकसान नगर पालिका का हुआ जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ा।इसकी भरपाई भी संबंधित ठेकेदार से नगर पालिका को करनी चाहिए। वहीं हाफिज याकूब बस स्टैंड से लेकर बलेजा पेट्रोल पंप होते हुए बासौदा मार्ग के नाले का निर्माण नगर पालिका के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से से करवाया जा उक्त ठेकेदार के द्वारा वैसे ही लापरवाही से कार्य करके जगह-जगह नाल

खोदकर अधूरा छोड़ दिया है मिट्टी के कारण जगह-जगह कीचड़ भी हो रही इस वजह से आम जनता को परेशानियों का सामना भी करना पड़ा है। इस समस्या को दूर करने के लिए ठेकेदार को नगर पालिका सीएमओ ने निर्देशित किया था इसी के दौरान लापरवाही काम करते हुए लाइन को फोड़ दिया।

रविवार को सुबह के 10 बजे के करीब ठेकेदार की जेसीबी पानी सप्लाई की पाइपलाइन फूट गए इसके कारण हजारों लीटर पानी सड़क पर कई घंटे तक बर्बाद होता रहा इसके चलते आसपास के क्षेत्र के घरों में जल सप्लाई भी नहीं है पाया उक्त ठेकेदार के कर्मचारियों की अनदेखी के कारण पाइपलाइन जेसीबी से सड़क के किनारे पड़े हुए मटेरियल को हटाने को दौरान फूटी । इसके बाद यहां पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी नगर पालिका अधिकारी और ठेकेदार भी मौके पर पहुंचकर इस समस्या को दूर करने में लगे हुए थे। इस वजह से सड़क पर पानी अधिक भर जाने के कारण वाहन चालक जरूर परेशान हो रहे थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान : कांजी खेड़ी में प्राचीन कुंड और उनारसीताल में बावड़ी साफ-स्वच्छ हुई

तीन किसानों को पीएम केएसवाय योजना में स्प्रिंकलर प्रदान किये

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले के जल स्त्रोतों को साफ-स्वच्छ करने की दिशा में इस अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जन सहयोग से इस कार्य को पूरा किया गया है और जिले में स्थापित जल स्त्रोत साफ-स्वच्छ नजर आ रहे हैं। इसी के तहत जनपद पंचायत सिरोंज की ग्राम पंचायत कांजी खेड़ी में अति प्राचीन बावड़ी को साफ-स्वच्छ करने का कार्य श्रमदान के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा क्रियान्वित किया गया था जिसमें जन सहयोग की भी महती भूमिका रही थी। इसी प्रकार सिरोंज जनपद की ही ग्राम पंचायत उनारसी ताल में भी यहां स्थापित अति खेत पर बोवनी करने गए युसूफ और उसके ट्रेक्टर ड्राइवर पर किया जानलेवा हमला।

सिरोंज के वार्ड क्रमांक 4 नयापुरा निवासी युसूफ खान अपने ट्रैक्टर ड्राइवर शाहिद खान निवासी ग्राम महू गंगाख?ड़ी अपनी ज़मीन पर लगभग शाम के 4 बजे बोवनी करने गए थे इस दौरान ग्राम गंगा खेड़ी के 10 15 लोग हाथों में लाठी डंडे फरशा, कुल्हाड़ी लेकर आए और युसूफ खान और ड्राइवर शाहिद खान को भद्दी भद्दी गालियां देने लगे इन लोगों ने कहा कि हमारे पास कोर्ट का आदेश है हम जीत गए हैं फिर भी यह लोग नहीं माने और दोनों पर लाठी डंडों एवं कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंचे परिवार जनों द्वारा शासकीय

राजीव गांधी जन चिकित्सालय में उन्हें भर्ती कराया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर कर दिया गया गंभीर घायल युसूफ खान की हालत नाजुक बताई जा रही है उनके परिवार जनों ने बताया कि युसूफ खान के सर और हाथ पैरों एवं बदन पर काफी गंभीर चोटे आई हैं अस्पताल की तहरीर पर थाना सिरोंज में ग्राम गंगाख?ड़ी निवासी उजागर बंजारा, कल्लू बंजारा,छत्तु बंजारा,भेड़ा बंजारा,राजमल के विरुद्ध बीएनएस 2013 की धारा 109 (1) 296, 215 (2) 118 (1) 351 (3) 3 (5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं सिरोंज थाना प्रभारी पंकज गीते से मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है बाकी आरोपी गिरफ्त से बाहर हैंवड़ी को भी साफ-स्वच्छ किया गया था। साफ-स्वच्छ करने के बाद काफी समय से गंदगी युक्त यह कुंड और बावड़ी वर्तमान में जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से साफ स्वच्छ नजर आने लगी हैं। इन बावड़ी और कुंड के माध्यम से इस वर्षा ऋतु में एकत्रित होने वाला जल क्षेत्र के रह वासियों के लिए पीने योग्य उपलब्ध हो सकेगा।

तीन किसानों को पीएमकेएसवाय योजना में स्प्रिंकलर सिस्टम प्रदान किये - जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में जल स्त्रोतों को संवारने के साथ-साथ पानी की बचत करने के उद्देश्य से किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा भी गतिविधियां आयोजित की गईं और कृषकों को फसल में पानी छिड़काव के लिए पीएमकेएसवाय के तहत स्प्रिंकलर सिस्टम प्रदान किए गए हैं, जिसमें विदिशा जिले के ग्राम गढ़ला निवासी किसान सरदार सिंह, ग्राम शेरपुर निवासी समीर खान और ग्राम सहजाखेड़ी के समीर खान लाभान्वित हुए हैं। इन तीनों किसानों को कृषि विभाग द्वारा स्प्रिंकलर सिस्टम प्रदान किए गए हैं किसानों का कहना है कि यह सिस्टम प्रणाली के माध्यम से उनके खेतों में वह पानी का छिड़काव कर सकेंगे जो उनके लिए उपयोगी साबित होगा।

गौरतलब हो कि स्प्रिंकलर सिस्टम प्रणाली पाइप लाइन के माध्यम से बूंद-बूंद करके फसलों व पौधों तक पानी पहुंचाता है, जो प्राकृतिक वर्षा के समान होता है इससे जल की बचत होती है और फसल की पैदावार भी बढ़ती है।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच एवं गौ सेवा प्रकोष्ठ ने वापस लौटे हाजियों का किया इस्तकबाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच व गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक शफाक़त हुसैन कादरी के निर्देश अनुसार सिरोंज तहसील संयोजक इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार नगर संयोजक वाजिद कुरैशी के नेतृत्व में लेक सिटी गार्डन में हज के मुकद्दस सफर से वापसी पर समस्त हाजियों को फूल माला पहनाकर उनका इस्तकबाल किया और देश-प्रदेश में अमन चैन भाईचारे की दुआ की दरखास्त की इस अवसर पर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के नगर अध्यक्ष वाहिद गौरी,ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी लटेरी के नगर अध्यक्ष इमरान अली,रहीम मंसूरी, हाजी मौलवी अलीम कासमी, हाजी मोहम्मद हमजा, हाफिज मोहम्मद फहीम, हाफिज अब्दुल कय्यूम, हाजी अब्दुल्ला, हाजी मोहम्मद जावेद,हाजी असलम,हाजी मोहम्मद मुस्ताक गोरी,हाजी फैसल हक गोरी आदि लोग मौजूद रहे।

मुहर्रम के मौके पर मां के नाम पेड, नशा मुक्त भारत, विश्व शांति का आह्वान

सिरोंज । गम और शहादत के अजीमो शान महापर्व पर्वाधिराज मुहर्रम के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने देश में सकारात्मक बदलाव, सामाजिक सुधार और वैश्विक शांति की दिशा में ऐतिहासिक संकल्प लेने का आह्वान किया । गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने सभी हम वतन भाई बहनो से मां के नाम पेड़, नशा मुक्त भारत और वैश्विक शांति का आह्वान जैसे अभियानों के माध्यम से देश और दुनिया के लिए हजरत इमाम हसन हुसैन के बताऐ मार्ग पर चलकर एक नई दिशा देने की बात कही । श्री कादरी ने कहा हरित भारत, एक पेड़ मां के नाम और नशा मुक्त भारत एक प्रेरणादायक पहल है । इस पहल के तहत हर साल अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाने का संकल्प लिया जाऐ । यह पहल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के अलावा मां के प्रति सम्मान और धरती के प्रति जिम्मेदारी को जोड़ने वाली एक सांस्कृतिक क्रांति है। मध्य भारत प्रांत संयोजक एडवोकेट असद नवेद हाशमी ने देश की युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे के खतरे पर गहरी चिंता जताई गई। मंच ने सर्वसम्मति से नशा छोड़ो, देश जोड़ो नाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का फैसला लिया है । महिला प्रकोष्ठ जिला संयोजक तबस्सुम शफीक खान ने बताया नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत मदरसो, मस्जिदों, स्कूलों, पंचायतों और डिजिटल मीडिया के जरिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिला संयोजक सैयद शादाब अली ने दुनिया के कई देशों में चल रहे युद्ध और हिंसा पर भी गहरी चिंता जताई गई।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाना बहुत खास है: स्मृति मंधाना

नॉटिघम। भारत की कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी टीम को 97 रन से जीत दिलाने के बाद कहा कि इस प्रारूप में शतक लगाना उनके लिए विशेष मायने रखता है क्योंकि वह नैसर्गिक तौर पर पावर हिटर नहीं हैं। मंधाना ने अपने 149वें मैच में अपना पहला टी20 शतक लगाया। उन्होंने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम 210 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई। मंधाना ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह अच्छा अहसास है, क्योंकि यह प्रारूप ऐसा है जिसमें एक बल्लेबाज के तौर पर मुझे लगातार प्रयास और सुधार करते रहना होगा। यह मेरे लिए बहुत नैसर्गिक प्रारूप नहीं है। उन्होंने कहा, मैं पावर हिटर नहीं हूं और मुझे अपनी टाइमिंग पर भरोसा रखकर शॉट मारना पसंद है लेकिन मैं अपनी पावर हिटिंग पर भी काम करने की कोशिश कर रही हूं। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, इस प्रारूप में शतक बनाना वास्तव में खास है। मैंने टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट में भी शतक लगाए हैं, लेकिन यह दोनों प्रारूप मेरी बल्लेबाजी शैली के अधिक अनुकूल हैं।

चेल्सी और पाल्मेरास क्लब विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

चार्लोट। क्रिस्टोफर एनकुंकू ने अतिरिक्त समय में रिबाउंड पर गोल किया जिससे चेल्सी ने बेनफिका को 4-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। खराब मौसम और बिजली कड़कने के कारण इस मैच में व्यवधान पड़ा और इसे पूरा होने में करीब पांच घंटे लगे। चेल्सी क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में पाल्मेरास से भिड़ेगा। पाल्मेरास ने शनिवार को खेले गए अंतिम 16 के एक अन्य मैच में बोटाफोगो को 1-0 से हराया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। एनकुंकू ने 108वें मिनट में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिलाई।

विम्बलडन का आगाज आज

अल्काराज की निगाहें लगातार तीसरे खिताब पर, तो जोकोविच के पास 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका

लंदन, एजेंसी

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सोमवार को यहां सेंटर कोर्ट पर विम्बलडन के पहले दौर में फैबियो फोगनिनी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे और उनकी निगाहें इस ग्रैंडस्लैम में लगातार तीसरा खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। ओपन युग में सिर्फ चार खिलाड़ी ही लगातार तीन बार विम्बलडन ट्रॉफी जीत सके हैं जो 1968 में शुरू हुआ था जिसमें ब्योर्न बोर्ग, पीट सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच शामिल हैं।

छह साल पहले 22 साल के अल्काराज ने यहां ग्रासकोर्ट पर पहला मैच खेला था। पिछले साल के पुरुष चैंपियन को ही सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलने का मौका मिलता है। ग्रैंडस्लैम फाइनल में अल्काराज का रिकॉर्ड 5-0 है जिसमें दो बार फ्रेंच ओपन खिताब शामिल हैं। अमेरिकी ओपन में भी एक दफा वह ट्रॉफी जीत चुके हैं। अल्काराज ने तीन हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन के फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से दो सेट पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए खिताब जीता था। पिछले साल दूसरी रैंकिंग पर काबिज अल्काराज किसी भी कोर्ट , क्ले और हार्ड कोर्ट में मेजर ट्रॉफी जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे। लेकिन उन्हें ग्रासकोर्ट पर खेलना पसंद है। वह सोमवार को करियर में सर्वश्रेष्ठ लगातार 18 मैच जीतने की लय को जारी रखना चाहेंगे। अल्काराज ने कहा, ''सबसे खूबसूरत टेनिस ग्रासकोर्ट पर देखने को मिलता है। गेंद की आवाज, सबकुछ ग्रासकोर्ट पर लोगों को लुभाता है।

लगातार तीन विम्बलडन ट्रॉफी जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने के बारे में अल्काराज का कहना है कि वह इसकी परवाह नहीं करते लेकिन वह यहां खिताब जीतना चाहते हैं। अल्काराज ने कहा, ''मैं ट्रॉफी जीतना चाहता हूं। मैं अभी इस बारे में नहीं सोच रहा हूं कि अगर मैं लगातार तीन विम्बलडन ट्रॉफी जीतता हूं तो किन खिलाड़ियों के साथ शामिल हो जाऊंगा।

नोवाक से संन्यास को लेकर किए जाते हैं सवाल

नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह आज से शुरू होने वाले विबलडन पर टिकी हैं जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं। जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विम्बलड से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं। उन्होंने कहा, मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा। जोकोविच ने यह स्वीकार किया कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकेंगे। यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच ने कहा, मैं इस बात पर सहमत हो सकता हूं कि विंबलडन में फिर से चैंपियन बनने का यह मेरे लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा लेकिन अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

तन्वी -आयुष अमेरिकी ओपन के फाइनल में

आयोवा। प्रतिभाशाली भारतीय शटलर तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। भारत की 16 वर्षीय गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी तन्वी ने महिला एकल के सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त पोलिना बुहरोवा को 34 मिनट में 21-14, 21-16 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। यह उनकी यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ करियर की दूसरी जीत थी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त बेइवेन झांग से होगा। पुरुष एकल में भारत के चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व के छठे नंबर के चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-23, 21-15, 21-14 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। अब आयुष का सामना कनाडा के तीसरे वरीय ब्रायन यांग से होगा। यांग ने चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-10, 21-12 से हराया।

टीवी अंपायर की आलोचना करने पर डैरेन सैमी पर जुर्माना

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी

वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी पर बारबाडोस में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के कारण मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमी ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में तीसरे अंपायर के फैसलों की आलोचना की थी और निर्णय डीआरएस के फैसलों में निरंतरता की मांग की थी।

सैमी ने निराशा व्यक्त की थी कि होल्डस्टॉक का विकेट के पीछे कैच के लिए भेजे गए दो एक जैसे मामलों में फैसला अलग-अलग था। इसमें ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को नॉट आउट दिया गया था, जबकि वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप को आउट करार दिया गया था।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

हेरा फेरी में बाबू राव की हुई वापसी, अक्षय संग मामला सुलटा? परेश रावल बोले- विवाद खत्म

कहते हैं अगर किसी चीज को दिल से चाहो, तो पूरी कायनात उसे पूरा करने में लग जाती है। ये कहावत हेरा फेरी फ्रेंचाइजी के फैंस पर एकदम फिट बैठती नजर आई है। क्योंकि बाबू राव यानी एक्टर परेश रावल और अक्षय कुमार के बीच चल रहा हेरा फेरी 3 विवाद अब खत्म हो चुका है। खुद परेश रावल ने इसकी पुष्टि करके फैंस को ये गुड न्यूज सुनाई है। हाल ही में परेश रावल ने एक इंटरव्यू में हेरा फेरी 3 से जुड़े विवाद पर खुलकर बात की है। उनका कहना है कि ये कोई विवाद नहीं था। वो सिर्फ ये चाहते थे कि सभी साथ आकर मेहनत करें। अब सारे मामले सुलझ चुके हैं। हिमांशु मेहता संग बातचीत में परेश रावल ने कहा, नहीं, कोई कॉन्ट्रोवर्सी कुछ नहीं है। क्या होता है कि जब कोई चीज इतनी लोगों को भाती है, तब हमें थोड़ा और सावधान होने की जरूरत होती है।

ऑडियंस के लिए हमारी एक जिम्मेदारी होती है कि वो लोग बैठे हैं, आपको इतना प्यार करते हैं। आप चीजों को नजरअंदाज या हल्के में नहीं ले सकते हैं। उनको मेहनत करने दो। तो मेरा ये ही है कि सब साथ में आएं और मेहनत करें, और कुछ नहीं। लेकिन ये कोई विवाद नहीं हुआ है। अब हमारे बीच सबकुछ सुलझ गया है। परेश रावल ने आगे हेरा फेरी 3 फिल्म की मेकिंग पर बात कही। उनका कहना है कि फिल्म पहले जैसे आने वाली थी, वैसी ही आएगी।

काश मैं भी इनसाइडर होती, जब पंचायत की रिंकी का छलका था दर्द, बोलीं- कम से कम सम्मान तो मिलता

पॉपुलर वेब सीरीज पंचायत 4 प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। वेब सीरीज को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस वेब सीरीज में रिंकी का रोल करने वाली एक्ट्रेस सांविका काफी अहम रोल में दिखाई दी हैं, उन्होंने अपनी एक्टिंग के दम पर एक अलग छाप छोड़ी है। हाल ही में उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इंडस्ट्री में इनसाइडर-आउटसाइडर को लेकर पोस्ट किया था। अब एक्ट्रेस का इस पर रिएक्शन आया है। दरअसल स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में जब उनसे इनसाइडर-आउटसाइडर पर लिखे अपने इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर सवाल किया गया तो सांविका ने कहा, सच कहूं तो मुझे किसी से कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि ये बस एक इंसीडेंट से रिलेटेड था। मैं अभी भी इस पर कायम हूं, अब मैं इस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहती। लेकिन अगर आप फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं तो ये आसान हो जाता है। हर किसी की अपनी लड़ाई होती है, चाहे जब आप ऑडिशन देते हैं, तो यह एक और लड़ाई होती है और जब आपको कुछ मिलना शुरू होता है, तो एक और लड़ाई होती है। एक एक्टर के तौर पर आपकी लाइफ में अलग-अलग तरह की लड़ाइयां होंगी।

एक्ट्रेस ने कहा, ये जिस कॉन्टेक्स्ट में आया वह यह था कि कम से कम आपको सम्मान और थोड़े समान तरीके के व्यवहार किए जाने जैसी चीजों के लिए लड़ना नहीं पड़ता है। अगर मैं खुद की तुलना दूसरे व्यक्ति से करती हूं, तो उन्हें स्वाभाविक रूप से सम्मान दिया जाता है। मुझे इसे साबित करते रहना है और इसके लिए लड़ना है, तब मुझे वह चीज दी जाती है।

जानिए आखिर क्या था मामला?

दरअसल कुछ वक्त पहले सांविका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, कभी-कभी मुझे लगता है कि काश मैं एक इनसाइडर होती या काफी पावरफुल बैकग्राउंड से आती, तब चीजें बहुत आसान होती (शायद मुझे नहीं पता)। शायद सम्मान पाने और समान व्यवहार पाने जैसी चीजें आसान होती। स्ट्रगल थोड़ा कम होता। सांविका की बात करें तो उन्होंने पंचायत वेब सीरीज में रिंकी का किरादर निभाकर घर-घर पहचान पाई है। एक्ट्रेस ने कहा, पंचायत ने मुझे सब कुछ दिया है। मैं जहां भी जाती हूं, लोग मुझे सिर्फ इस शो की वजह से पहचानते हैं। इसने मुझे एक नई जिंदगी, नई पहचान दी है। एक्ट्रेस ने पंचायत सीजन 5 को लेकर भी कहा कि हां ये जल्द सभी के सामने आएगा, लेकिन मुझे अपने किरदार के बारे में कुछ नहीं पता।

मेट्रो बाजार

भारत का चीनी उत्पादन 15% बढ़कर 35 मिलियन टन होने की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय चीनी उद्योग के लिए अच्छी खबर है! 2026 के चीनी सत्र अक्टूबर-सितंबर में भारत का कुल चीनी उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर लगभग 35 मिलियन टन तक पहुँचने की संभावना है। यह अनुमान औसत से ऊपर मानसून के कारण गन्ने की बुवाई और उपज में हुई बढ़ोतरी पर आधारित है खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों में।

घरेलू आपूर्ति में सुधार और निर्यात की संभावना- रिपोर्ट के अनुसार चीनी उत्पादन में यह वृद्धि

घरेलू आपूर्ति की तंग स्थिति को कम करने में महत्वपूर्ण मदद करेगी। इसके साथ ही यदि सरकार की ओर से उचित नीतिगत समर्थन मिलता है तो चीनी के निर्यात में भी सुधार संभव है। यह देश के चीनी किसानों और मिलों दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

चीनी मिलों के मार्जिन में सुधार, क्रेडिट प्रोफाइल होगा मजबूत- रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2026 में चीनी मिलों के संचालन मार्जिन में 9-9.5 प्रतिशत की रिकवरी का अनुमान है। इससे चीनी उत्पादक कंपनियों के क्रेडिट प्रोफाइल में सुधार होगा, जो पिछले वित्तीय वर्ष में दबाव का सामना कर रही थीं। पिछले दो सत्रों में जहाँ गन्ने का 'फेयर एंड रेम्युनरेटिव प्राइस' 11 प्रतिशत बढ़ा वहीं एथनॉल की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया था जिससे मिलों पर कुछ दबाव था। अब

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण 2.34 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली । सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 2,34,565.53 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में तेजी के रुख के बीच सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,650.73 अंक या दो प्रतिशत चढ़ गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 69,556.91 करोड़ रुपये बढ़कर 20,51,590.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 51,860.65 करोड़ रुपये बढ़कर 11,56,329.94 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 37,342.73 करोड़ रुपये बढ़कर 15,44,624.52 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 26,037.88 करोड़ रुपये बढ़कर 5,88,213.55 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 24,649.73 करोड़ रुपये बढ़कर 10,43,037.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 13,250.87 करोड़ रुपये बढ़कर 6,05,523.65 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक का 8,389.15 करोड़ रुपये बढ़कर 7,18,788.90 करोड़ रुपये हो गया।

कार खंभे से टकराई अधिवक्ता की मौत

भोपाल। छोला मंदिर थाना से कुछ दूरी पर हनुमान मंदिर के सामने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब दो बजे तेज रफ्तार कार सड़क किनारे लगे खंभे में जा घुसी। हादसे में कार चला रहे अधिवक्ता को गंभीर चोट आई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार चेतन ठाकुर पिता स्वर्गीय रतनसिंह ठाकुर (29) भानपुर में रहते थे। वे अधिवक्ता थे और जिला कोर्ट में प्रेक्टिस करते थे। उनके पिता की करीब पंद्रह साल पूर्व मौत हो चुकी हैं। मां पिता की जगह अनुकंपा नियुक्ति में रेलवे में नौकरी करती है। चेतन ठाकुर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अपनी आई-10 कार से घर जा रहे थे। छोला मंदिर थाने के सामने पहुंचते ही उनकी बाइक अनियंत्रित होकर खंभे से टकरा गई।

शराब के लिए अड़ीबाजी में 12वीं के छात्र से मारपीट

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित मदर इंडिया कॉलोनी में 12वीं के छात्र से शराब के लिए अड़ीबाजी कर रहे बदमाश ने मारपीट कर दी। पुलिस ने छात्र की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अड़ीबाजी और मारपीट का मामला दर्ज करउसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पंकज ढाकसे पिता दिनेश ढाकसे (19) मदर इंडिया कॉलोनी शाहजहांनाबाद में रहता है और 12वीं कक्षा में पढ़ता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार रात वह अपने घर पर था। रात करीब साढ़े 11 बजे मल्टी बाजपेयी नगर रहने वाला किशन चंडालिया आया और कहने लगा कि शराब पीने के लिए 5 सौ रुपए चाहिए। पंकज ने उसे कहा कि उसके पास पैसे नहीं है तो किशन चंडालिया गालीगलौज करते हुए मारपीट करने लगा। पंकज का शोर सुनकर मां और दोस्त अकुल पहुंचा। उन्होंने किशन से बचाया। किशन कहने लगा कि आज तो तू बच गया, लेकिन शराब के लिए पैसे मांगने पर नहीं देगा तो जान से खत्म कर दूंगा।

तालाब में डूबा किशोर, 18 घंटे से एनडीआरएफ कर रही सर्चिंग

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव ललरिया में रविवार शाम एक किशोर नहाते समय तालाब में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही बैरसिया पुलिस और एसडीएम सहित तहसीलदार मौके पर पहुंचे और किशोर की तलाश करवाई। रविवार शाम चार बजे चल रही सर्चिंग रात दो बजे तक चलती रही, लेकिन किशोर का कोई सुराग नहीं लगा। आज सुबह छह बजे पुलिस ने एनडीआरएफ की मदद से फिर किशोर की सर्चिंग तालाब में शुरू कर दी थी। सुबह 11 बजे तक किशोर का सुराग नहीं लग सका था। पुलिस ने किशोर की गुमशुदगी दर्ज कर ली है। उसकी तलाश की जा रही है। रविवार शाम को डूबा था किशोर जानकारी के अनुसार 13 साल का तोहिद, गांव ललरिया में रहता था और स्कूली छात्र था। रविवार शाम वह गांव के बच्चों के साथ ललरिया स्थित तालाब में नहाने गया था। शाम करीब चार बजे वह तालाब में नहा रहा था, तभी गहरे पानी में वह डूब गया।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, विश्वकर्मा नगर के सामने रोड पर हुआ हादसा

तेज रफ्तार कार ने सड़क पार करते युवक को कुचला, मौके पर मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रानी कमला पति रेलवे स्टेशन के पास विश्वकर्मा नगर के सामने रविवार सुबह करीब पांच बजे तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे युवक को टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक को सिर और हाथ पैर में गंभीर चोट आई थी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची डायल और गोविंदपुरा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। मृतक के पास मिले मोबाइल से उसकी पहचान कर ली गई?है।

पहचान के बाद शव परिजन को पीएम के बाद सौंप दिया गया। पुलिस टक्कर मारने वाले कार चालक और कार की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह पांच बजे सूचना मिली थी कि विश्वकर्मा नगर के सामने नर्मदापुरम रोड पर किसी युवक की लाश पड़ी है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो पता चला कि उसकी एक्सीडेंट में मौत हुई। पुलिस ने आसपास लोगों से पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि किसी तेज रफ्तार कार के चालक ने उसे टक्कर मारी है और वह नर्मदापुरम रोड की तरफ भाग निकला। पुलिस ने मृतक की तलाश ली और कुछ दूरी पर एक मोबाइल पड़ा मिला। मोबाइल में नंबर से उसकी शिनाख्त कर ली गई। पुलिस ने बताया कि मृतक बाबू साहू उर्फमुकेश साहू पिता घासीराम साहू (38) नयापुरा, खातेगांव, देवास के रूप में कर ली गई। मृतक मजदूरी करता था और दस दिन पूर्व भी भोपाल आया?था। पुलिस को मोबाइल भोपाल के दीपक चंदेल का नंबर भी मिला है। दीपक ने बताया कि मुकेश से उनकी चर्चा हुई थी और काम के सिलसिले में उन्होंने मुकेश भोपाल बुलाया था।

सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देख रही पुलिस

एएसआई साहेब लाल कुमरे ने बताया कि घटनास्थल और आसपास सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए थे, लेकिन वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं मिले। अब पुलिस हबीबगंज नाका और मुख्य सड़क पर लगे कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। ताकि आरोपी कार और चालक का पता लगाया जा सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई थी युवक की मौत

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में एक्सीडेंट में हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार आसिफ शेख (28) अब्बास नगर थाना गांधी नगर में रहता था। बीती तेईस जून की शाम को वह अपने दोस्त के साथ जा रहा था, तभी हलालपुरा कब्रिस्तान के पास उसे अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया था। साथियों ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

लोडिंग रिक्शे ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीला जमालपुरा इलाके में एक लोडिंग रिक्शे के चालक ने स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार आमिर मोहम्मद (32) गैस राहत कालोनी निशातपुरा का रहने वाला है। फिलहाल वह टीला जमालपुरा में किराए से रहता है और ड्रायवरी करता है। शनिवार की रात करीब साढ़े दस बजे आमिर अपनी स्कूटर से घर लौट रहा था।

साई मंदिर के पास एक अज्ञात लोडिंग रिक्शा चालक ने उसके स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल आमिर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आमिर के बयान लेने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

स्कूटर सवार को 407 वाहन ने कुचला, गंभीर

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित रत्नागिरी तिराहा के पास तेज 407 वाहन ने स्कूटर सवार युवक को चपेट में ले लिया। एक्टिवा 407 वाहन के सामने फंसने से युवक कुछ दूर तक घिसट गया। उसे सिर और सीने में गंभीर चोट आई है। हादसे के बाद 407 वाहन का चालक मौके पर वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार सत्यम कुशवाह (19) अर्जुन नगर, अयोध्या बायपास पर रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार दोपहर वह अपने 35 साल के चाचा पवन कुशवाह निवासी अर्जुन नगर के साथ स्कूटर से अयोध्या नगर सब्जी मंडी पहुंचा।

बाइक की टक्कर से घायल हुआ युवक

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में एक युवक बाइक की टक्कर से घायल हो गया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार शाबर मियां (42) वल्लभ नगर अरेरा हिल्स में रहते हैं और मजदूरी करते हैं। बीती बाईस जून की रात करीब पौने नौ बजे वह वार्टर पार्क के पास स्थित मस्जिद के नमाज पढने के बाद मोटर सायकिल लेकर घर जा रहे थे। वाटर पार्क के सामने पहुंचने पर तेज रफ्तार अज्ञात मोटर सायकिल के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। अस्पताल में इलाज कराने के बाद रविवार को उन्होंने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

बस की टक्कर से स्कूटर सवार युवतियां गंभीर घायल

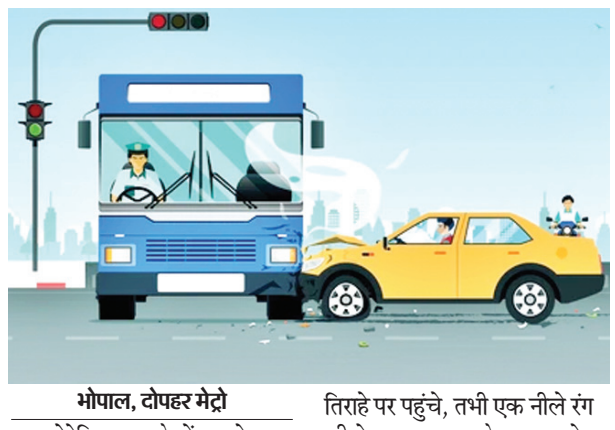

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा इलाके में एक तेज रफ्तार बस के चालक ने स्कूटर सवार दो युवतियों को टक्कर मारकर घायल कर दिया। स्कूटर को टक्कर मारने के बाद बस चालक ने सामने जा रही कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई।

पुलिस ने कार चालक की रिपोर्ट पर बस चालक के खिला3फ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार विनोद कुमार जैन (76) रिटायर्ड कर्मचारी हैं और ईदगाह हिल्स शाहजहांनाबाद में रहते हैं। विनोद ने पुलिस को बताया कि रविवार की सुबह वह अपनी कार से कोहेफिजा से घर की तरफ जा रहे थे। कोहेफिजा अस्पताल के सिग्नल तिराहे पर पहुंचे, तभी एक नीले रंग की तेज रफ्तार बस के चालक ने आगे चल रही लाल रंग की स्कूटर में टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गई। स्कूटर को टक्कर मारने के बाद बस चालक ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मारी, जिससे कार का पिछले हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस हादसे में विनोद को कोई चोट नहीं आई है। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद दोनों घायल युवतियों को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पैदल जा रहे लड़कों को कार ने मारी टक्कर

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में रात करीब दो बजे काम से घर लौट रहे दो लड़कों को कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक करन गौर (16) बाजपेयी नगर मल्टी शाहजहांनाबाद में रहता है। वह पढ़ाई के साथ ही वेटर का भी काम करता है। रविवार की रात करीब दो बजे अपने दोस्त चिरनजीत कौशिक (16) के साथ पैदल घर लौट रहा था। तभी बैंक आफ इंडिया एटीएम के सामने सेफिया कालेज रोड़ पर पीछे से आ रही अज्ञात कार के चालक ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों लड़कों को हाथ-पैर और शरीर में गंभीर चोट आई है।

मेट्रो एंकर पूर्व में आरोपी के साथी को पुलिस कर चुकी है गिरफ्तार

हिनोतिया नाले के पास युवक की हत्या करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित अस्सी फीट रोड पर हिनोतिया नाले के पास दिनदहाड़े युवक की हत्या करने वाले हत्यारे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को जुलूस निकालकर उसे कोर्ट में पेश किया गया। उक्त मामले में पुलिस ने हत्यारे के साथी को घटना के दूसरे दिन ही गिरफ्तार कर चुकी थी।

पुलिस के अनुसार जनता कॉलोनी ऐशबाग निवासी अरशद उर्फ दानिश (30) ई रिक्शा चलाता था। 22 जून रविवार शाम अस्सी फिट रोड हिनोतिया स्थित नाले से उसका शव बरामद किया गया। पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट नहीं मिली है।

अरशद शराब पीने का आदी था। पुलिस इसे साधारण मामला समझ रही थी। इसी बीच परिजन ने हत्या के आरोप लगाए। अरशद की मां ने पुलिस को बताया कि अरशद के दोस्त आदिल और जावेद उसे घर से अपने साथ ले गए थे। यह सुनते ही पुलिस हरकत में आई और घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। साथ ही घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ की।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि रविवार दोपहर पौने दो बजे के आसपास तीन लोगों का विवाद हो रहा था। उस समय बारिश हो रही थी। शाम को पता चला कि नाले में किसी युवक का शव पड़ा है। पुलिस ने आदिल उर्फ कुंती सहित जावेद पर की तलाश की, लेकिन वह फरार थे। पुलिस को उन पर संदेह बढ़ गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उनकी तलाश की और जावेद को हिरासत में ले लिया।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

E-mail id- mobhopal@gmail.com

क्रमांक / 1706/ खनिज / उ.प.-326/2024 भोपाल, दिनांक 25/06/2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए, द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आसिया जेहांन पत्नि स्व श्री रहमत उल्ला उर्फ राजा निवासी मकान नंबर 02. झापडिया ग्राम बगोनिया तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र.म.प्र. द्वारा मुरूम उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 18.12.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्र. जी-200098/24 दिनांक 23.12.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 05.07.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगें।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय /निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	हुजूर	शेखपुरा	252 (एस)	2.000 हे०	शासकीय	मुरूम	कुल रकबा 2.000 हे.

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

G-14924/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" प्रभारी अधिकारी, (खनिज शाखा) जिला भोपाल, म.प्र.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022